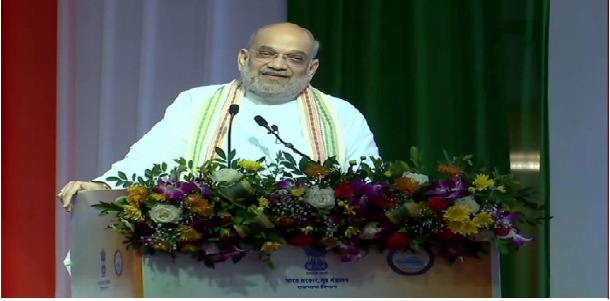


अमित शाह की मौजूदगी में किशू डैम पर 6 राज्यों में समझौता, सीएमएस ने साइन किया

एजेंसी। दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में छह राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा ने किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए। टोंस नदी पर बनने वाली इस परियोजना से सिंचाई, बिजली उत्पादन और पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। यह कदम यमुना नदी के पुनरुद्धार और बेसिन राज्यों की जल सुरक्षा को मजबूत करेगा। ऊपरी यमुना बेसिन में राज्यों के बीच सहयोग और जल संसाधनों के विकास की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में किशाऊ मल्टीपर्स प्रोजेक्ट के निर्माण के लिए समझौते के ज्ञापन (MoA) पर हस्ताक्षर किए। इन छह राज्यों और केंद्र के बीच लगभग 28 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। रेणुका जी और लखवार मल्टीपर्स प्रोजेक्ट्स से जुड़े दो समझौते पहले ही हो चुके

यमुना बेसिन के जल संसाधनों के टिकाऊ विकास और बेहतर इस्तेमाल के लिए केंद्र और बेसिन राज्यों की सामूहिक प्रतिबद्धता को भी दिखाता है। किशाऊ मल्टीपर्स प्रोजेक्ट उत्तराखंड के देहरादून जिले और



बैठक में जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प विभाग के सचिव और शामिल राज्यों के मुख्य सचिव भी मौजूद थे। अधिकारियों ने कहा कि इस ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर करना लंबे समय से अटकलें हुए 'किशाऊ मल्टीपर्स प्रोजेक्ट' को पूरा करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह समझौता सहकारी संघवाद की भावना और

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में यमुना नदी की एक प्रमुख सहायक नदी, टोंस नदी पर प्रस्तावित है। इस प्रोजेक्ट में 2326 मीटर ऊंचे कंक्रीट ग्रेविटी बांध का निर्माण शामिल है, जिसकी लाइव स्टोरेज क्षमता 1,562 मिलियन क्यूबिक मीटर (MCM) होगी। इससे लगभग 0.97 लाख हेक्टेयर कृषि क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिलेगी और सालाना लगभग 1,476 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन होगा। जमा

किए गए पानी से यमुना को पुनर्जीवित करने और पीने व औद्योगिक इस्तेमाल के लिए पानी की जरूरतों को पूरा करने में भी मदद मिलेगी, खासकर राजस्थान और दिल्ली (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में, जिससे इस इलाके में जल सुरक्षा मजबूत होगी। इस प्रोजेक्ट को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों के जॉइंट वेंचर, किशाऊ कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा लागू किया जाएगा। ऊपरी यमुना बेसिन के राज्यों ने 12 मई, 1994 को ओखला बैराज तक यमुना के इस्तेमाल लायक सतही पानी के बंटवारे के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए थे। इस डबल में यमुना नदी के सतही बहाव का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने के लिए ऊपरी यमुना बेसिन में स्टोरेज प्रोजेक्ट बनाने की जरूरत को माना गया था। 1994 के MoU के पैरा 7(iii) के तहत, बेसिन राज्यों द्वारा तय किए गए पानी के बंटवारे के दायरे में हर पहचाने गए स्टोरेज प्रोजेक्ट के लिए अलग-अलग समझौते किए जाने थे।

उत्तर प्रदेश में महिलाएं भी कर सकेंगी नाइट शिफ्ट, नौकरी के नए नियमों पर योगी कैबिनेट की मुहर

संवाददाता। लखनऊ। लखनऊ। उत्तर प्रदेश में काम करने वाले श्रमिकों के लिए नियुक्ति पत्र पाना अब अनिवार्य होगा और हर साल नियोजता के खर्च पर उनकी मुफ्त स्वास्थ्य जांच कराई जाएगी। उत्तर प्रदेश उपजीविकाजन्म सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशा नियमावली— 2026 के तहत कार्यस्थल पर काम के घंटे, विश्राम, सुरक्षा और जरूरी सुविधाओं से जुड़े कई नए नियम लागू हो गए हैं। हालांकि, नियुक्ति पत्र का प्रविधान कम से कम 10 कर्मचारियों वाले कारखानों, प्रतिष्ठानों और दुकानों आदि पर लागू होगा। घरेलू और कृषि क्षेत्र के कामगार इसके दायरे में नहीं होंगे। राज्य नियमावली पर कैबिनेट की स्वीकृति केंद्र सरकार नियमावली के आधार पर बनी राज्य नियमावली पर कैबिनेट की स्वीकृति मिल गई है। इसके बाद प्रदेश में श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और बेहतर कार्यदशा सुनिश्चित करने के लिए अब नए नियम लागू होंगे। नियोजताओं को अलग-अलग पंजीकरण कराने की जगह एकल पंजीकरण की सुविधा मिलेगी। ठेका

श्रमिकों अंतरराज्यीय प्रवासी श्रमिकों और अन्य निर्धारित श्रेणियों के लिए एकीकृत अनुज्ञप्ति (कॉमन लाइसेंस) में काम करने का अवसर मिलेगा।

होगा। महिला कर्मचारियों को उनकी सहमति से सभी प्रकार के प्रतिष्ठानों में काम करने का अवसर मिलेगा।

कर्मचारों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए भी अलग से विशेष व्यवस्था किए गए हैं। नियोजता



की व्यवस्था की गई है। पंजीकरण, लाइसेंस, अभिलेखों के रखरखाव और विवरणियां जमा करने का काम भी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से किया जा सकेगा। श्रमिकों के काम के घंटे और विश्राम की अवधि भी निर्धारित नियमों के अनुसार होगी। कार्यस्थल पर पीने का पानी, शौचालय, स्नानघर, विश्राम कक्ष, कैंटीन और प्राथमिक उपचार जैसी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराना

वे आवश्यक सुरक्षा उपायों के साथ रात्रिकालीन पाली में भी काम कर सकेंगी। अंतरराज्यीय प्रवासी श्रमिकों के पंजीकरण, कल्याण और जरूरी सुविधाओं के लिए विशेष प्रविधान किए गए हैं। वहीं संविदा श्रमिकों के नियोजन को भी नियमों के दायरे में लाया गया है। पहली बार मुख्य गतिविधि (कोर एक्टिविटी) में संविदा श्रमिकों के नियोजन पर रोक का प्रविधान है। पवन एवं अन्य सन्निर्माण

को कार्यस्थल पर संभावित जोखिमों का आकलन करना होगा। श्रमिकों को जरूरी सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने और दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय करने की जिम्मेदारी भी नियोजता की होगी। गंभीर दुर्घटना या व्यावसायिक खतरे की सूचना सक्षम अधिकारी को देना और जरूरत पड़ने पर उसकी जांच कराना अनिवार्य होगा।

बिहार में बाढ़ पर बड़ा एक्शन सम्राट चौधरी ने जारी किए 579 करोड़ के फंड

एजेंसी। बिहार में बाढ़ से प्रभावित 8,27,472 परिवारों के बैंक खातों में वटु के जरिए कुल 579.23 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए हैं। इसके तहत प्रति परिवार 7,000 रुपये की अनुग्रह राशि दी गई है। राज्य के 15 प्रभावित जिलों में राहत और बचाव के लिए छक्के और रक्के की 21 टीमें तैनात हैं। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 15 सितंबर को पब्लिक सर्वेंट्स रेजिडेंस के 'संकल्प' ऑडिटोरियम में बाढ़ पीड़ितों को राहत राशि बांटने के कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस दौरान बाढ़ से प्रभावित 8,27,472 परिवारों के बैंक खातों में सीधे 579.23 करोड़ ट्रांसफर किए गए। हर परिवार को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के जरिए 7,000 मिले। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित किया गया था, जहाँ आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्लय ने बाढ़ से प्रभावित इलाकों, चल रहे राहत और बचाव कार्यों, और

निर्देश दिया कि प्रभावित इलाकों में खाना, पीने का पानी, दवाइयों और दूसरी जरूरी चीजों की



लगातार सप्लाई सुनिश्चित की जाए। बिहार के मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, नेशनल डिजास्टर रिसपॉन्स फोर्स (NDRF) और स्टेट डिजास्टर रिसपॉन्स फोर्स (SDRF) की 21 टीमें राहत और बचाव कार्य चल रहे हैं। चौधरी ने जुटी हुई हैं। चौधरी ने भरोसा दिलाया कि हालात सामान्य होने तक मदद जारी रहेगी और इस बात पर जोर दिया कि प्रभावित लोगों को किसी तरह की परेशानी

नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पात्र लाभार्थियों की पहचान और सत्यापन में पारदर्शिता बनाए रखें। उन्होंने कहा कि अगर कोई पात्र परिवार छूट गया है, तो उसे एक हफ्ते के भीतर राहत सूची में शामिल किया जाए ताकि किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को मदद से वंचित न रहना पड़े। इसके अलावा, चौधरी ने पहले से बेहतर पुनर्निर्माण (Build Back Better Than Before) के सिद्धांत के तहत रिकवरी और पुनर्निर्माण के कामों में तेजी लाने का आह्वान किया।

शुभेंद्र अधिकारी के सहयोगी की मां हसीरानी रय को भाजपा का नदीग्राम टिकट, 1.1 लाख के अंतर पर नजर

दिल्ली। रथ ने कहा कि अधिकारी 2026 के चुनावों में लगभग 10,000 वोटों से नंदीग्राम जीते। उन्होंने कहा कि अगर वे 2026 में दो सीटों से चुनाव न लड़ते और नंदीग्राम को ज्यादा समय दे पाते, तो उनकी जीत का अंतर और भी ज्यादा होता। रथ ने अपने बेटे चंद्रनाथ रथ से जुड़ी जांच के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि जांच चल रही है और परिवार को मुख्यमंत्री पर पूरा भरोसा है। बीजेपी नंदीग्राम उपचुनाव के लिए हसीरानी रथ को अपना उम्मीदवार घोषित किया। हसीरानी रथ, सुवंदु अधिकाारी के पूर्व सहयोगी चंद्रनाथ रथ की माँ हैं, जिनकी मई में हत्या कर दी गई थी। पार्टी ने रेजीनगर विधानसभा सीट के लिए मुर्शिदाबाद जिले के अपने पूर्व अध्यक्ष सखाराम सरकार को भी उम्मीदवार बनाया। रथ ने पार्टी का आभार जताया और पत्रकारों से कहा कि उन्हें जीत का भरोसा है। उन्होंने इस सीट को रिकॉर्ड



कर लिया जाएगा। नंदीग्राम में बीजेपी के प्रदर्शन को याद करते हुए रथ ने कहा कि जब उस निर्वाचन क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस मजबूत थी, तब सुवंदु अधिकारी ने पूर्व मुख्यमंत्री को 1,956 वोटों से हराया था। रथ ने कहा कि अधिकारी 2026 के चुनावों में लगभग 10,000 वोटों से नंदीग्राम जीते। उन्होंने कहा कि अगर वे 2026 में दो सीटों से चुनाव न

लड़ते और नंदीग्राम को ज्यादा समय दे पाते, तो उनकी जीत का अंतर और भी ज्यादा होता। रथ ने अपने बेटे चंद्रनाथ रथ से जुड़ी जांच के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि जांच चल रही है और परिवार को मुख्यमंत्री पर पूरा भरोसा है। हसीरानी रथ के नॉमिनेशन से नंदीग्राम में बीजेपी के कैंपेन को एक भावनात्मक पहलू मिला है, वहीं रेजीनगर के लिए उम्मीदवार का चयन पार्टी की संगठन के स्तर पर अनुभवी नेता को प्राथमिकता देने की सोच को दिखाता है। नंदीग्राम उपचुनाव की जरूरत तब पड़ी जब अधिकारी, जिन्होंने 2026 के विधानसभा चुनावों में नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों सीटें जीती थीं, ने भवानीपुर सीट अपने पास रखने और नंदीग्राम सीट छोड़ने का फैसला किया। नंदीग्राम में कई पार्टियों के बीच मुकाबला होने की

उम्मीद है। यहाँ वोटिंग 6 अक्टूबर को होगी, नॉमिनेशन की आखिरी तारीख 16 सितंबर है और वोटों की गिनती 9 अक्टूबर को होगी। अधिकारी के पर्सनल असिस्टेंट तौर पर काम कर चुके चंद्रनाथ रथ 6 मई को मध्यमग्राम में कार से जा रहे थे, तभी मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने उन पर कथित तौर पर गोलीबारी की। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनकी मौत हो गई, जबकि ड्राइवर घायल हो गया। इस मामले की जांच पहले राज्य पुलिस और एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने की थी, जिसके बाद इसे ब्ठ को सौंप दिया गया। नंदीग्राम में हसीरानी रथ की उम्मीदवारी को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। मंगलवार को, उश्रच द्वारा आधिकारिक तौर पर उनके नाम की घोषणा करने से पहले, उन्होंने शिष्यश्वर शिव मंदिर और जानकीनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करके इसके संकेत दिए। बाद में दिन में उन्होंने हल्दिया में अपना नामांकन भी दाखिल किया,

विजडम इंडिया। देहरादून, 15 सितंबर 2026। रास बिहारी बोस सुभारती

गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत



विश्वविद्यालय, देहरादून में संस्कृति विभाग एवं अभ्युदय भारत राइजिंग फोरम के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्र बोध' विषय पर 'युवा संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को राष्ट्र के प्रति जागरूकता, गौरव, कर्तव्यबोध और राष्ट्र सेवा की भावना से जुड़ने का संदेश दिया

का साथ हुई। इससे पूर्व विद्यार्थियों के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया। डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से भारतीय सेना के साहस, शौर्य और राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति उसके समर्पण को विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस दौरान अभ्युदय भारत राइजिंग फोरम की गतिविधियों एवं उद्देश्यों

पर आधारित वीडियो भी प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुभारती समूह के संस्थापक एवं रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. अतुल कृष्ण ने कहा कि 'राष्ट्र बोध' प्रत्येक नागरिक के भीतर राष्ट्र के प्रति प्रेम, गौरव, कर्तव्य और समर्पण की भावना को जागृत करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से भारतीय संस्कृति, देश की गौरवशाली परंपराओं और राष्ट्रीय

सहायक निदेशक एवं संस्कृति विभाग के सदस्य श्री रमन कृष्ण किमोटी ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने राष्ट्र बोध, राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका तथा भारतीय संस्कृति एवं जीवन-मूल्यों से जुड़े रहने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी अतिथियों, आयोजकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार



मूल्यों से जुड़कर राष्ट्र निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक श्री धनंजय जी ने कहा कि राष्ट्र बोध केवल राष्ट्र के प्रति भावनात्मक जुड़ाव तक सीमित नहीं है। अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन, भारतीय संस्कृति और विरासत के प्रति सम्मान और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी राष्ट्र बोध का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि युवाओं के विचार, प्रश्न, संवाद और सक्रिय सहभागिता देश के भविष्य को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी जिज्ञासाओं को संवाद के माध्यम से व्यक्त करने तथा अपनी ऊर्जा और प्रतिभा का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में सुभारती समूह की ट्रस्टी सुश्री अवंती कमल की विशेष उपस्थिति रही। विश्वविद्यालय के षष्ठ विभाग के

व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय की सहायक आचार्य सुश्री मिदत असलम ने किया। इस अवसर पर संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश तिवारी, संस्कृति विभाग के सचिव एवं कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग के विभागाध्यक्ष श्री विनय सेमवाल, विश्वविद्यालय के कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गीत एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। 'युवा संवाद' के माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि राष्ट्र बोध केवल देश के प्रति प्रेम की भावना नहीं, बल्कि कर्तव्य, अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र सेवा के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का भाव है।

महोबा में यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के प्रादेशिक सम्मेलन में पत्रकारों की समस्याओं पर मंथन, सभी श्रमजीवी पत्रकारों को सुविधाएं देने की मांग

लखनऊ(आरएनएस)। यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के महोबा में आयोजित तीन दिवसीय प्रादेशिक प्रतिनिधि सम्मेलन में पत्रकारों की समस्याओं और उनके अधिकारों पर विस्तार से चर्चा हुई। सम्मेलन में नई श्रम संहिता के तहत परिभाषित सभी श्रमजीवी पत्रकारों को राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पत्रकारों को दी जा रही सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उठाई गई। सम्मेलन में प्रदेश के अधिकांश जिलों से 300 से अधि ाक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन के अंतिम दिन प्रतिनिधि यों ने विश्व प्रसिद्ध धरोहर खजुराहो का भ्रमण किया।सम्मेलन को राज्य मंत्री जल शक्ति रामकेश निषाद तथा राज्य मंत्री श्रम एवं सेवायोजन मनोहर लाल मन्न् कोरी ने संबोधित किया। दोनों मंत्रियों ने यूनियन के प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि उनकी ओर से दिए गए ज्ञापन को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंचाया जाएगा। सम्मेलन में पत्रकारों को

मान्यता प्राप्त और गैर मान्यता प्राप्त श्रेणियों में बांटकर सुविधाएं देने पर चिंता व्यक्त की गई। वक्ताओं ने कहा कि सरकार द्वारा सभी श्रमजीवी पत्रकारों को सरकारी अस्पतालों में राज्य कर्मचारियों के समान मिल रही चिकित्सा सुविधा को अब केवल मान्यता प्राप्त पत्रकारों तक सीमित कर दिया गया है। डेस्क कर्मियों को मिलने वाली मान्यता की व्यवस्था भी लंबे समय से लंबित है।सम्मेलन में उत्तर प्रदेश में राजनाथ सिंह सरकार द्वारा गठित पत्रकार बंधु व्यवस्था की वर्तमान स्थिति पर भी सवाल उठाए गए। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारों के हितों से जुड़ी इस व्यवस्था का प्रभावी ढंग से संचालन होना चाहिए। इसके अलावा केंद्र सरकार द्वारा कोविड काल के दौरान पत्रकारों को रेल यात्रा में मिलने वाली 50 प्रतिशत छूट समाप्त किए जाने पर भी चिंता जताई गई। यूनियन ने इन सभी सुविधाओं को तत्काल बहाल करने तथा मान्यता प्राप्त और गैर

मान्यता प्राप्त पत्रकारों के बीच सुविधाओं को लेकर भेदभाव समाप्त करने की मांग की।यूनियन के प्रादेशिक अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन में पत्रकारों के लिए देशव्यापी पेंशन व्यवस्था लागू करने और कर्मचारी भविष्य निधि ा के माध्यम से मिलने वाली न्यूनतम पेंशन को 1000 रुपये से बढ़ाकर 5000 रुपये करने की मांग की गई। पत्रकारों पर बढ़ रहे हमलों पर चिंता व्यक्त करते हुए पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने तथा आकस्मिक निधन का शिकार होने वाले पत्रकारों के परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए स्थायी व्यवस्था बनाने की मांग भी की गई।ज्ञापन में पीजीआई में राज्य मुख्यालय के पत्रकारों को मिल रही चिकित्सा सुविधा की प्रक्रिया को सरल बनाने और इसका लाभ सभी पत्रकारों को देने, पत्रकारों को सस्ती दर पर भूखंड आवंटित करने, छोटे एवं मझोले समाचार पत्रों को विज्ञापन आवंटन में निश्चित प्रतिशत निर्धारित करने, वेब मीडिया

के लिए स्पष्ट नीति बनाने तथा प्रदेश स्तर पर प्रेस काउंसिल गठित करने की मांग भी शामिल रही। प्रदेश सरकार द्वारा पत्रकारों को आयुष्मान योजना में शामिल किए जाने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करते हुए योजना की कमियों को दूर करने और इसे अधिक व्यापक बनाने के संबंध में भी सुझाव दिए गए। वक्ताओं ने पत्रकारों के सामने मौजूद समस्याओं के साथ ही पत्रकारिता जगत की अपनी बाढ़ पत्रकारों की आचार संहिता को लेकर सरकार से वार्ता किए जाने की बात कही गई।स्वागत समिति के अध्यक्ष शिवशरण सिंह ने सम्मेलन में पहुंचे प्रतिनिधियों का स्वागत किया। महामंत्री देवराज सिंह ने यूनियन की एक वर्ष की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

आशियाना में चेन लूट की दो घटनाओं का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ(आरएनएस)। आशियाना थाना पुलिस ने महिलाओं के गले से सोने की चेन झपटने की दो घटनाओं का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से दोनों घटनाओं से संबंधित दो पीली धातु की चेन, वारदात में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में शनि कश्यप उर्फ गोल्ड और अर्जुन रावत उर्फ गंगाधर उर्फ बालू तगड़ा शामिल हैं। पुलिस के अनुसार शनि कश्यप आशियाना थाने का हिस्ट्रीशीटर है।पुलिस के मुताबिक 13 सितंबर को सेवा देवी निवासी सेक्टर एन, थाना आशियाना ने तहरीर देकर बताया था कि 11 सितंबर की दोपहर करीब 12 बजे दो अज्ञात बाइक सवार उनकी

सोने की चेन झपटकर फरार हो गए। इस मामले में थाना आशियाना में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसी तरह दुर्गेश त्रिपाठी निवासी रायल सिटी फेस–2, थाना बिजनौर ने 14 सितंबर को शिकायत दर्ज कराई थी कि 3 सितंबर की रात करीब नौ बजे दो अज्ञात पल्सर सवारों ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली थी। इस मामले में भी मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही थी।घटनाओं के अनावरण के लिए पुलिस टीम सुरागरसी और पतारसी में जुटी थी। इसी दौरान मुखबि्व की सूचना पर पुलिस ने रमाबाई आंबेडकर मैदान रैली स्थल रोड के पास से शनि कश्यप उर्फ गोल्ड पुत्र मंगल कश्यप निवासी कासिमपुर पकरी, थाना आशियाना और अर्जुन रावत

उर्फ गंगाधर उर्फ बालू तगड़ा पुत्र मुन्नालाल रावत निवासी किला मोहम्मदनगर, थाना आशियाना को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दोनों की दोनों घटनाओं में संलिप्तता सामने आई।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दोनों मुकदमों से संबंधित दो पीली धातु की चेन, वारदात में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल संख्या यूपी32 पीआर 5996 और दो मोबाइल फोन बरामद किए। बरामदगी के आधार पर दोनों मुकदमों में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी की गई है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के अनुसार शनि कश्यप के खिलाफ लखनऊ के विभिन्न थानों समेत

अमेठी में चोरी, चोरी का माल रखने और गिरोहबंद अधिनियम सहित कई मामले दर्ज हैं। वहीं अर्जुन रावत के खिलाफ भी आलमबाग, आशियाना और पीजीआई थानों में चोरी, गिरोहबंद अधिनियम, लूट तथा अन्य धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं।गिरफ्तारी और बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक गजेन्द्र कुमार राय, उपनिरीक्षक मनोष सिंह, उपनिरीक्षक सुनील कुमार यादव, उपनिरीक्षक शिवप्रकाश सिंह, उपनिरीक्षक अभिषेक कुमार, उपनिरीक्षक प्रतीक सिंह, उपनिरीक्षक बरभेरम राय, कांस्टेबल बृजेश कुमार और कांस्टेबल सन्नी मान शामिल रहे।

महिगवां में मोबाइल छीनने और धमकी देने के मामले में दो गिरफ्तार

लखनऊ(आरएनएस)। महिगवां थाना क्षेत्र में साइकिल सवार से मोबाइल फोन छीनने और जान से मारने की धमकी देने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से विवो कंपनी का एक एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद किया है। दोनों आरोपियों की पहचान अवनीश बाजपेयी उर्फ गोल्ड उर्फ कपिल निवासी ग्राम शाहपुर नजूल, थाना महिगवां और मुकलेश निवासी ग्राम शाहपुर नजूल, थाना महिगवां के रूप में हुई है। दोनों मजदूरी

करते हैं।पुलिस के अनुसार 14 सितंबर को उदयमान निवासी ग्राम हनुमंतपुर, थाना महिगवां ने तहरीर देकर बताया था कि वह काम करने के बाद साइकिल से अपने घर लौट रहा था। शाहपुर नजूल चौराहे के पास से हनुमंतपुर की ओर बढ़ने के दौरान पीछे से आए दो लोगों में से एक ने उसके मोबाइल वाले हाथ पर डंडा मार दिया और मोबाइल छीन लिया। आरोपियों ने गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए। इस संबंध में थाना महिगवां में मुकदमा

दर्ज किया गया।मामले में पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की। सुरागरसी और पतारसी के आधार पर 15 सितंबर को पुलिस टीम ने शाहपुर नजूल चौराहे से हनुमंतपुर जाने वाले रास्ते पर घेराबंदी कर अवनीश बाजपेयी और मुकलेश को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दोनों की घटना में संलिप्तता सामने आई।पुलिस के मुताबिक अवनीश बाजपेयी के खिलाफ हरदोई, सीतापुर और लखनऊ के विभिन्न थानों में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। इनमें

बेनीगंज, अटरिया और महिगवां थाने में दर्ज मामले शामिल हैं। मुकलेश के खिलाफ महिगवां थाने में इसी मामले का मुकदमा दर्ज है। दोनों के अन्य अपराधिक इतिहास के संबंध में संबंधित थानों और जनपदों से जानकारी जुटाई जा रही है।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष राधेश्याम मौर्य, उपनिरीक्षक सतीश सिंह, उपनिरीक्षक इन्द्रपाल सिंह सेंगर, कांस्टेबल लालबहादुर और कांस्टेबल अरविन्द कुमार शामिल रहे।

भूमिगत बिजली व्यवस्था के लिए पूर्वचल विद्युत निगम ने मागे 114.09 करोड़ रुपये

लखनऊ(आरएनएस)। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने रिवेम्ड वितरण क्षेत्र योजना के तहत स्मार्ट वितरण परियोजना, विद्युत बुनियादी ढांचे को भूमिगत करने और आधुनिकीकरण के कार्यों के लिए एप्रैक्सिमेट मूल्य 114.09 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि जारी करने की मांग की है। निगम ने स्पष्ट किया है कि राज्यांश की धनराशि उपलब्ध होने से कार्यदायी संस्थाओं के लंबित भुगतान का निस्तारण किया जा सकेगा।पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निदेशक तकनीकी जितेंद्र नलवाया की ओर से उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को भेजे

ए गए पत्र में बताया गया है कि योजना के तहत पूर्वांचल विद्युत निगम के लिए 1433.67 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत के सापेक्ष 1531.44 करोड़ रुपये का कार्य आवंटित किया गया है। योजना के अनुसार कुल लागत का 60 प्रतिशत देकर सरकार द्वारा अनुदान के रूप में दिया जाना है, जबकि शेष 40 प्रतिशत धनराशि राज्य सरकार अथवा संबंधित वितरण निगम को अपने स्रोत या ऋण के माध्यम से उपलब्ध करानी है।निगम के अनुसार योजना के लिए केंद्रांश की पहली और दूसरी किस्त के तहत कुल 221.05 करोड़ रुपये की पात्रता के सापेक्ष अब तक 106.96 करोड़ रुपये ही प्राप्त हुए हैं। इस तरह

114.09 करोड़ रुपये की धनराशि अभी शेष है। निगम ने इसी शेष राज्यांश को जारी किए जाने का अनुरोध किया है।पत्र में बताया गया है कि वर्तमान में स्मार्ट वितरण परियोजना, विद्युत बुनियादी ढांचे को भूमिगत करने और आधुनिकीकरण के कार्यों के लिए संबंदि त कार्यदायी संस्थाओं द्वारा किए गए कार्यों के सापेक्ष वितरण निगम स्तर पर करीब 112.50 करोड़ रुपये का भुगतान लंबित है। यह धनराशि कार्यदायी संस्थाओं को देय है। ऐसे में 114.09 करोड़ रुपये का राज्यांश जारी होने से लंबित देयों का भुगतान किया जा सकेगा।अधुनिकीकरण के कार्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।पूर्वांचल विद्युत

वितरण निगम ने इससे पहले 16 मार्च 2026 को भी राज्यांश मद में धनराशि उपलब्ध कराने की मांग की थी। उस समय केंद्रांश मद में प्राप्त पहली और दूसरी किस्त के सापेक्ष राज्यांश की पात्र धनराशि के रूप में 221.05 करोड़ रुपये का उल्लेख किया गया था। इन निगम ने अद्यतन स्थिति में 114.09 करोड़ रुपये की शेष धनराशि तत्काल जारी करने के लिए आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया है।योजना के तहत विद्युत वितरण व्यवस्था को आधुनिक बनाने के साथ बिजली के बुनियादी ढांचे को भूमिगत करने का काम किया जा रहा है।

सुशांत गोल्फ सिटी में मारपीट के मामले में एक और बाल अपचारी संरक्षण में

लखनऊ(आरएनएस)। सुशांत गोल्फ सिटी थाना पुलिस ने मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक और बाल अपचारी को पुलिस संरक्षण में लेकर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त तरुण गाबा और संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय अपर्णा कुमर के निर्देश पर अपराधियों को खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई।पुलिस के मुताबिक 5 सितंबर 2026 को अखिल मिश्रा निवासी केलाश इन्क्लेव, वृंदावन योजना ने थाना सुशांत गोल्फ सिटी में तहरीर देकर बताया था कि 4 सितंबर को विपक्षीगण ने उनके पुत्र के साथ गाली–गलौज और मारपीट की, जिससे वह बेहोश हो गया था। आरोप है कि इसके बाद उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। सूचना के आधार पर थाना सुशांत गोल्फ सिटी में मुकदमा दर्ज किया गया था।घटना की जांच के दौरान पुलिस टीम ने तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर 13 सितंबर को दो बाल अपचारियों को पुलिस संरक्षण में लिया था।

जनपद न्यायालय में अधिवक्ता को दी धमकी,

शर्ट उठाकर असलहा दिखाया, पिछले साल पेट में मारी थी गोली, एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। जिला अदालत परिसर में मुकदमे की पैरवी करने पहुंचे अधिवक्ता मान सिंह को दो लोगों ने धमकी दी। उन्हें धक्का देकर कहा कि मुकदमे में समझौता नहीं किया तो अगली बार सिर में गोली मार देंगे। आरोप है कि उनमे से एक ने शर्ट उठाकर असलहा भी दिखाया। आरोपियों ने पिछले साल अधिवक्ता के पेट में गोली मारी थी। अब उसी केस में समझौता करने का दबाव बना रहे हैं। दोनों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मऊआइमा के किगिरिया का पूरा निवासी अधिवक्ता मान सिंह जिला न्यायालय में अधिवक्ता हैं। उन्होंने बताया कि घटना 9 सितंबर की है। दोपहर करीब 12रू30 बजे वो अपने मुकदमे की पैरवी के लिए जिला न्यायालय पहुंचे थे। तीसरी मंजिल पर एसीजेएम कक्ष संख्या–9 के कार्यालय में अपनी फाइल देखने गए थे। इसी दौरान मऊआइमा के किगिरिया का पूरा निवासी अनिल कुमार यादव और नया पूरा निवासी मुकेश कुमार वहां पहुंच गए।

मान सिंह द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार दोनों ने उन्हें धक्का दिया और गाली–गलौज करने लगे। आरोप है कि दोनों ने मुकदमे में समझौता करने का दबाव बनाया। दोनों ने पिछली घटना का जिक्र करते हुए कहा

कि पहले भी गोली मारी थी, लेकिन कम छेद हुए थे, इसलिए बच गए। अगर जान की सलामती चाहते हो तो मुकदमे में समझौता कर लो। आरोप है कि इसके बाद दोनों ने धमकी दी कि अगर समझौता नहीं किया तो अगली बार सिर में गोली मार देंगे। अि कर्नलगंज थाने में तहरीर दी। तक्ता के अनुसार आरोपियों ने यह भी कहा कि पिछली बार हेलमेट की वजह से बच गए थे, लेकिन अगली बार हेलमेट भी नहीं बचा जाएगा। तहरीर के अनुसार बढ़ता देख मान सिंह वहां से हटने लगे। इसी दौरान अनिल कुमार यादव ने कथित तौर पर कहा कि वह उनके

लिए हमेशा असलहा लेकर चलता है। आरोप है कि इसके बाद उसने शर्ट उठाकर कमर में लगा असलहा भी दिखाया। दोनों आरोपी अगली तारीख पर मिलने की धमकी देकर वहां से चले गए थे। मान सिंह ने घटना के संबंध में 14 सितंबर को पुलिस ने अनिल कुमार यादव और मुकेश कुमार के खिलाफ संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर मिश्रा के मुताबिक, मामले की जांच की जा रही है। कोर्ट परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जाएगी।

तौर पर कहा कि वह उनके

रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय में ‘राष्ट्र बोध’ पर ”युवा संवाद“ संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अतुल कृष्ण ने युवाओं से भारतीय संस्कृति, मूल्यों और राष्ट्र निर्माण से जुड़ने का किया आह्वान

एजेंसी। देहरादून, 15 सितंबर 2026। रास बिहारी बोस सुभारती

दौरान अभ्युदय भारत राइजिंग फोरम की गतिविधियों एवं उद्देश्यों पर आधारित वीडियो भी प्रदर्शित



विश्वविद्यालय, देहरादून में संस्कृति विभाग एवं अभ्युदय भारत राइजिंग फोरम के संयुक्त तत्वाव्ान में ‘राष्ट्र बोध’ विषय पर ‘युवा संवाद’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को राष्ट्र के प्रति जागरूकता, गौरव, कर्तव्यबोध और राष्ट्र सेवा की भावना से जुड़ने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। इससे पूर्व विद्यार्थियों के लिए ‘ऑपरेशन सिंदूर’ पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया। डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से भारतीय सेना के साहस, शौर्य और राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति उसके समर्पण को विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस

किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुभारती समूह के संस्थापक एवं रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. अतुल कृष्ण ने कहा कि ‘राष्ट्र बोध’ प्रत्येक नागरिक के भीतर राष्ट्र के प्रति प्रेम, गौरव, कर्तव्य और समर्पण की भावना को जागृत करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से भारतीय संस्कृति, देश की गौरवशाली परंपराओं और राष्ट्रीय मूल्यों से जुड़कर राष्ट्र निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक श्री धनंजय जी ने कहा कि राष्ट्र बोध केवल राष्ट्र के प्रति भावनात्मक जुड़ाव तक सीमित नहीं है। अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन,

हिंदी केवल अभिव्यक्तिका साधन नहीं, हमारी आत्मा की भाषा है

प्रयागराज। विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में शिवश्व जनचेतना ट्रस्ट भारतश्व के तत्वावधान में एक विशेष संगोष्ठी एवं विचार–विमर्श का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों, साहित्यकारों एवं प्रबुद्धजनों ने हिंदी भाषा के निरंतर संवर्धन, वैश्विक प्रसार और दैनिक जीवन में इसके बढ़ते प्रयोग पर विस्तार से मंथन किया।

ट्रस्ट के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी साकिब सिद्दीकी श्वादलश्व ने हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी केवल हमारी अभिव्यक्ति का साधन नहीं, बल्कि हमारी आत्मा की भाषा है। जब मीडिया और समाज संवेदनशीलता तथा ईमानदारी के साथ हिंदी में संवाद स्थापित करते हैं, तो समाज में सांस्कृतिक चेतना और मूल्यबोध का विस्तार होता है। ट्रस्ट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. राहुल शुक्ल श्साहिलश्व ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि नई पीढ़ी को हिंदी के समृद्ध साहित्य एवं डिजिटल माध्यमों में हिंदी के उपयोग के प्रति जागरूक और प्रेरित किया जाए। इस अवसर पर संस्था कनौजिया श्रीजीश्व (अध्यक्ष, युवा चेतना शक्ति), साधना गुप्ता (प्रदेश सचिव, विश्व जनचेतना ट्रस्ट भारत) सहित अन्य ने भी अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम में मुख्य रूप से दीप किशन कनौजिया, सरजीत गौतम, पूनम मिश्रा, विनीत तिवारी, प्रीति श्रीवास्तव, अर्चना, आरती गुप्ता,पूजा, अन्नू विश्वकर्मा सहित कई साहित्य प्रेमी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एक करोड़ से ज्यादा की जमीन पर कब्जे का प्रयास कोशिश

प्रयागराज। मऊआइमा नगर पंचायत में 18 साल पहले खरीदी गई जमीन को फर्जी दस्तावेज तैयार कर दोबारा बेचने का प्रयास किया गया। पीड़ित मोहम्मद रईस अंसारी ने आरोप लगाया है कि जमीन पर कब्जे की कोशिश के साथ उनसे रंगदारी मांगी गई और रकम नहीं देने पर परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई। एसडीएम सोरांव के आदेश पर मऊआइमा पुलिस ने 7 लोगों के खिलाफ षट् दर्ज की है। पुलिस प्राप्त जानकारी के अनुसार

मऊआइमा नगर पंचायत के कजियाना कलां (कप्तान का पूरा) निवासी रईस अंसारी ने एफआईआर दर्ज कराई है कि उनके चाचा हाजी अब्दुल हकीम अंसारी की कोई संतान नहीं है। उन्होंने 1 जुलाई 2007 को शौकत अली से एक बीघा 6 बिसवा 3 धरू जमीन खरीदी थी।

रईस का दावा है कि जमीन खरीदने के बाद उस पर पक्की बांरंझीवाल बनाकर गेट लगाया गया और ताला लगा दिया गया। वह खुद को हाजी अब्दुल हकीम अंसारी का कानूनी वारिस बताते

हुए जमीन पर काबिज होने की बात कह रहे हैं। उनके मुताबिक, मौजूदा समय में जमीन की बाजार कीमत एक करोड़ रुपए से ज्यादा है। रईस अंसारी का आरोप है कि कुछ लोगों ने कई बार 2007 में बनाई गई बांरंझीवाल और गेट तोड़कर जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की। विरोध करने पर उनसे मोटी रकम की मांग की गई। उनका आरोप है कि रकम नहीं देने पर जमीन पर कब्जा करने और परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी दी गई।

रईस के अनुसार बाद में उन्हें जानकारी हुई कि उनके चाचा की जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसे किसी और को बेच दिया गया है। उन्होंने 27 जनवरी 2026 को राजस्व विभाग के अधिकारियों को शिकायत देकर जांच और कार्रवाई की मांग की। राजस्व टीम की जांच में सामने आया कि संबंधित जमीन को 4 नवंबर 2025 को बेचा गया था। इसकी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी गई। इसके बाद एसडीएम सोरांव के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया।

सांसद चंद्रशेखर आजाद से कथित अमद्रता के विरोध में धरना प्रदर्शन आज

प्रयागराज। भीम आर्मी के संस्थापक और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना सांसद एडवोकेट भाई चंद्रशेखर आजाद को साथ गोंडा जाते समय रास्ते में कथित अमर व्यवहार किए जाने के विरोध में भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) कार्यकर्ताओं में रोष व्याप्त है। आजाद समाज पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नगीना सांसद चन्द्रशेखर आजाद के आह्वान पर कल 16 सितंबर को सिविल लाइन स्थित धरना प्रदर्शन स्थल विशाल प्रदर्शन करके जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधि त ज्ञापन भेजकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की जाएगी।पूर्व जिला प्रभारी एडवोकेट हाईकोर्ट आईपी रामबुज का कहना है कि नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद गोंडा जा रहे थे। इसी दौरान प्रशासन की मौजूदगी में कुछ लोगों द्वारा उनके साथ अमद्रता किए जाने की घटना सामने आई।

सशस्त्र सेना बल के जवान की गोली लगने से मौत

सोमवार को भोर में छत्तीसगढ़ के कांकर जिले के अंतापुर कैंप की घटना कुड़वार थाना क्षेत्र के नेवरा गांव निवासी है

कुड़वार सुल्तानपुर। शाम को बेटे से बात करके सोए पिता को क्या पता था कि उसे सुबह सो कर उठते ही बेटे की मौत हो जाने की खबर मिलेगी। जवान बेटे की मौत से पिता की आँखें नम है। पिता की पथराई आँखे बेटे के अंतिम दर्शन को आतुर है।मामला स्थानीय थाना क्षेत्र के नेवरा खादर बसंतपुर गांव से जुड़ा है। गांव निवासी बलराम तिवारी के सबसे छोटे पुत्र आनंद प्रकाश तिवारी(33) सशस्त्र सीमा बल में हवलदार के पद पर छत्तीसगढ़ के कांकर जिले के कुहचे अंतागढ़ में 28 वीं वाहिनी एसएसबी में तैनात है। पिता के अनुसार रविवार देर शाम उनकी

जवान आनंद तिवारी

छत्तीसगढ़ प्रांत के कांकर जिले के अंतागढ़ में तैनात थे। इनकी पत्नी प्रियंका तिवारी इकलोते बेटे अनुभव तिवारी (16) के साथ चंडीगढ़ में निजी मकान में रहती है जो 11 वी का छात्र है।घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।वृद्ध मां राजेश्वरी देवी सहित परिजनो का रो रो कर बुरा हाल है। आनंद के पिता ने बताया कि बेटे के कमांडेट द्वारा जानकारी दी गई है कि रात 08 बजे उनका पथिव शरीर फ्लाइट से लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेगा जहां से सीधे घर के लिए रवाना होगा।

राहुल गांधी को हाईकोर्ट से झटका

सुल्तानपुर। अमित शाह पर टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की वॉइस सैपल से जुड़ी अर्जी को खारिज कर दिया है। मामला 2018 का है। कर्नाटक चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने गृहमंत्री अमित शाह पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसको लेकर भाजपा नेता विजय मिश्रा ने सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था, जो तब से विचाराधीन है। बताया जा रहा है कि इस केस में राहुल गांधी की ओर से वॉइस सैपल को लेकर निचली अदालत में अर्जी दी गई थी। अदालत के फैसले के खिलाफ वादी एवं तत्कालीन भाजपा उपाध्यक्ष विजय मिश्रा की तरफ से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई, लेकिन हाईकोर्ट ने अर्जी खारिज कर दी। अब एमपी-एमएलए कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई 16 सितंबर को होगी।

जौनपुर से गाजियाबाद तक संघर्ष से साधना और सम्मान तक - महामंडलेश्वर बने पंडित विनोदानंद जी महाराज।

विजडम इंडिया। नई दिल्ली (दयाल शर्मा) पंडित विनोदानंद जी महाराज का जीवन संघर्ष, साधना, आस्था और सेवा की विनोदानंद जी महाराज ने प्रारंभिक शिक्षा सल्तनत बहादुर इण्टर कॉलेज बदलापुर जौनपुर से व 1977 में वाणिज्य विषय में



यूपी बोर्ड से हाइ स्कूल पास किया इसके बाद जौनपुर जनपद के बीआरपी इण्टर कॉलेज से वाणिज्य विषय से इंटरमीडिएट परीक्षा पास किया।

शहर के श्री तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय से बीए परीक्षा हिंदी, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान से पास किया इसी कॉलेज से हिंदी से एमए. राजनीतिक शास्त्र से एमए. इसके साथ ही उन्होंने ज्योतिष विषय में डबल एमए की उपाधि हासिल की उसके बाद जनमोर्चा दैनिक अख़्बार से सिटी रिपोर्ट के तौर पर 5 साल तक काम किया। इसके बाद छात्र राजनीति में प्रवेश करके छात्र युनियन के महासचिव पद पर चुनाव लड़ा पर किसी कारण से चुनाव निरस्त हो गया इसके बाद इंदिरा गांधी जी के भाषण से प्रभावित होकर उन्होंने कांग्रेस की सक्रिय सदस्यता ग्रहण की पारिवारिक जिम्मेदारियों के बड़ने से तथा धर्म के प्रति प्रेम से धर्म, अध्यात्म एवं ज्योतिष के क्षेत्र में ज्ञान में रुचि के कारण

पंडित विनोदानंद जी महाराज दिल्ली आए। यहां उनके जीवन का प्रारंभिक दौर बेहद संघर्षपूर्ण रहा। उन्होंने किराए के एक छोटे से कमरे में रहकर पटियाल हाउस कोर्ट परिसर में राधा कृष्ण मंदिर में पुजारी नियुक्त किए गए पूजा-पाठ एवं धार्मिक अनुष्ठानों

ज्योतिष शिरोमणि का सम्मान से सम्मानित किया गया। निरंतर साधना और धार्मिक कार्यों के चलते उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण अध्याय उस समय जुड़ा, जब उन्हें हरियाणा के यमुनानगर स्थित राधा-कृष्ण मंदिर, मढ़ी आश्रम एवं मठ का महंत बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। महंत के रूप में उन्होंने धार्मिक गतिविधियों, पूजा-पाठ और आध्यात्मिक कार्यों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ लोगों को धर्म, संस्कार और आध्यात्मिक जीवन के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया।

यमुनानगर में रहने के दौरान उन्हें अनेक संत-महात्माओं के सानिध्य में आने और उनसे आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिला। विभिन्न संतों के मार्गदर्शन और अपने लंबे साधना अनुभव के माध्यम से उन्होंने धर्म, ज्योतिष और अध्यात्म के क्षेत्र में अपनी पहचान को और मजबूत किया। उनके सरल स्वभाव, धार्मिक निष्ठा और ईश्वर के प्रति अटूट आस्था ने संत समाज में भी उन्हें विशेष पहचान दिलाई।

पंडित विनोदानंद जी महाराज की साधना एवं आस्था को देखते हुए श्री श्री 1008 पीताम्बरा पीठाधीश्वर संतोषानंद जी महाराज, बगलामुखी अखाड़ा हरिद्वार द्वारा उन्हें 'जगतगुरु ज्योतिष शिरोमणि पंडित विनोदानंद जी महाराज' को महामंडलेश्वर की उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके लिए न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि वर्षों की साधना, संघर्ष और धार्मिक समर्पण का परिणाम माना जा रहा है। महामंडलेश्वर की उपाधि प्राप्त होने के बाद उनके अनुयायियों और संत समाज में भी उत्साह का माहौल है। पंडित विनोदानंद जी महाराज का जीवन यह संदेश देता है कि परिस्थितियों चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि व्यक्ति अपने लक्ष्य, कर्म और ईश्वर के प्रति विश्वास को बनाए रखे तो संघर्ष के बाद सफलता और सम्मान का मार्ग अवश्य खुलता है। एक छोटे से किराए के कमरे से शुरू हुई उनकी यात्रा आज संत समाज में सम्मानजनक स्थान तक पहुंच चुकी है। परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने से लेकर मठ के महंत और अब महामंडलेश्वर बनने तक की यह यात्रा उनके दृढ़ संकल्प, धार्मिक आस्था और निरंतर साधना की कहानी बयां करती है।

अखिल भारतीय स्वर्णकार जन जागृति एसोसिएशन के सामूहिक विवाह समारोह के आमंत्रण कार्ड का गौवर्धन में भव्य विमोचन

(गोवर्धन) अखिल भारतीय स्वर्णकार जन जागृति एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजित होने वाले भव्य सामूहिक विवाह समारोह के आमंत्रण कार्ड का विमोचन आज पवित्र नगरी गोवर्धन में हर्षोल्लास के साथ किया गया।

कार्ड विमोचन कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष छगन लाल वर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील वर्मा, राष्ट्रीय सचिव मनसुख लाल वर्मा, राष्ट्रीय प्रमारी उमेश वर्मा, युवा प्रदेश अध्यक्ष सौरभ वर्मा, गोवर्धन नगर अध्यक्ष गोपेश सोनी एवं सोख नगर अध्यक्ष सुनील वर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष छगन लाल वर्मा ने कहा कि स्वर्णकार समाज हमेशा से सामाजिक एकता और सेवा का प्रतीक रहा है। सामूहिक विवाह जैसे आयोजन से समाज में आपसी सहयोग और कम खर्च में विवाह की परंपरा को बढ़ावा मिलेगा।

युवा प्रदेश अध्यक्ष सौरभ वर्मा ने बताया कि यह सामूहिक विवाह समारोह समाज के जरूरतमंद परिवारों के लिए एक बड़ी राहत लेकर आएगा और इसे ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता जी-जान से जुटे हुए हैं।

गोवर्धन नगर अध्यक्ष गोपेश सोनी ने सभी समाज बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित पदाधिकारियों ने समाज की एकजुटता और समृद्धि के लिए काम करने का संकल्प लिया।



12 करोड़ की ज्वेलरी चोरी का 24 घंटे में खुलासा, 7 किलो सोना और 11 लाख कैश बरामद

(मथुरा/कोसीकला)(ए.के.शर्मा) जनपद पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम ने संयुक्त रूप से एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए थाना कोसीकला क्षेत्र के जुगल किशोर ज्वैलर्स के यहां हुई लगभग 12 करोड़ रुपये की चोरी का मथुरा पुलिस ने महज करीब 24 घंटे में खुलासा कर दिया। जनपद पुलिस, एसटीएफ,सर्विलांस और एसओजी समेत विभिन्न टीमों की संयुक्त कार्रवाई में मुख्य आरोपी समेत दो पुरुष और दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे और निशानदेही से 7 किलोग्राम सोना और करीब 11 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं।

प्रसिद्ध जुगल किशोर ज्वैलर्स में हुई लगभग 12 करोड़ रुपये की चोरी का सफल खुलासा कर दिया है। पुलिस ने गोपालबाग से चोरी के मुख्य अभियुक्त विष्णु सोनी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर 7 किलो 126 ग्राम सोना तथा 11 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। घटना का मुख्य आरोपी पूर्व में शोरूम में काम कर चुका था और अपने सगे भाई के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। घटना के खुलासे पर पुलिस टीम को एक लाख रुपये का पुरस्कार घोषित



किया गया है।

पूछताछ में खुल सकते हैं कई और राज पुलिस अधिकारियों के अनुसार पकड़े गए आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है, जिससे जनपद व आसपास के क्षेत्रों में हुई अन्य चोरी की वारदातों के भी खुलासे की संभावना जताई जा रही है। पुलिस की इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से स्थानीय व्यापारियों ने राहत की सांस ली है, वहीं आपराधिक तत्वों में हड़कंप मचा है।

खुलासे की शुरुआत चोरी की बड़ी घटना सोमवार सुबह से ही पुलिस के लिए सिरदर्द बन चुकी थी। देर रात से डीआईजी शैलेश पाठक ने घटना के खुलासे के लिए कोसी थाने में ही डेरा जमा दिया था। एक दर्जन पुलिस टीम एसएसपी के नेतृत्व में लगातार दबिश देने में जुटी हुई थीं। शासन स्तर से चोरी की घटना पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे।

रविवार को रोज की तरह शोरूम बंद करके गए थे। सोमवार सुबह जब शोरूम पहुंचे तो अंदर का नजारा देखकर होश उड़ गए। अंदर के दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। संदेह के बाद जब शोरूम के अंदर जाकर देखा तो उसमें से करीब 10 किलो सोने के आभूषण, जिनकी कीमत करीब 13 करोड़ रुपये, और 15 लाख रुपये नकद गायब मिले।

सूचना पर पुलिस और एसओजी टीम मौके पर पहुंची। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया। सीसीटीवी फुटेज में एक चोर शोरूम के अंदर से सामान निकालता हुआ दिखाई दे रहा था। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि करीब सात घंटे तक एक ही चोर शोरूम के अंदर रहा।

पुराने नौकर ने ही लगाई दुकान में संध एसएसपी श्लोक कुमार के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त विष्णु कुमार पुत्र रघुनाथ कोसीकला क्षेत्र का रहने वाला है। जिस दुकान में चोरी की गई, उसमें वह पूर्व में काम कर चुका था। इसी का फायदा उठाकर उसने चोरी की घटना को अंजाम दिया।

पुलिस को यह भी पता चला कि विष्णु के साथ उसका भाई मोहन और अन्य सहयोगी भी शामिल थे। चोरी के बाद सामान को अलग-अलग स्थानों पर छिपाया गया था।

गैस कटर से काटा ताला पुलिस जांच में सामने आया कि चोर रविवार रात करीब 10 बजे छत के रास्ते शोरूम तक पहुंचा। इसके बाद गैस कटर की मदद से शोरूम का ताला काटकर अंदर दाखिल हुआ। दुकान के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में एक चोर दिखाई दिया।

पुलिस ने मौके से गैस कटर, वायर कटर, झोला, कपड़े आदि सामान भी बरामद किया है। घटना के समय पहने गए कपड़े और वारदात में प्रयुक्त सामान भी पुलिस के हाथ लगा है।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। डीआईजी आगरा शैलेश पाठक और एसएसपी मथुरा श्लोक कुमार ने स्वयं पूरे मामले की कमान संभाली। पुलिस की 11 टीमें बनाकर रातभर तलाश की गई।

तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सटीक सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 7 किलो 126 ग्राम सोना, 11 लाख रुपये नकद, डीवीआर, लॉकर की चाबी तथा घटना के समय पहने गए कपड़े बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में जनपद व आसपास के क्षेत्रों में हुई अन्य चोरी की वारदातों के भी खुलासे की संभावना है।

संस्कृत शिक्षा की लौ जलाने वाले स्व. राज नारायण मिश्र को लोगों ने दी श्रद्धांजलि

विद्वान कर्मठ संस्थापक व्याकरणाचार्य को हमने खो दिया- राजेंद्र नाथ त्रिपाठी

महराजगंज, जौनपुर क्षेत्र के कोल गांव में प्रख्यात व्याकरणाचार्य एवं श्री उमा महेश्वर संस्कृत महाविद्यालय के संस्थापक पं. राज नारायण मिश्र की त्रयोदशी के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष, यूपी रत्न पं. राजेंद्र नाथ त्रिपाठी पहुंचे। उन्होंने पं. राज नारायण मिश्र की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।



इस अवसर पर पं. राजेंद्र नाथ त्रिपाठी ने कहा कि पं. राज नारायण मिश्र के निधन से समाज ने एक बड़े विद्वान, कर्मठ संस्थापक और व्याकरण के प्रकांड ज्ञाता को खो दिया है। उनका योगदान शिक्षा और संस्कृत के क्षेत्र में सदैव स्मरणीय रहेगा।

प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने ब्राह्मण समाज की वर्तमान स्थिति पर अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि "आज ब्राह्मणों के आसू पोछने वाला कोई नहीं है।" उन्होंने सूजीसी तथा आरक्षण सहित विभिन्न मुद्दों पर भी बेबाकी से अपनी बात रखी और समाज की समस्याओं को गंभीरता से उठाने की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पं. श्रीपति उपाध्याय एवं जौनपुर जिला अध्यक्ष रत्नाकर चौबे सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्र ने कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों एवं श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में जिले के प्रख्यात चिकित्सक डॉ. अरुण कुमार मिश्रा, पूर्व न्यायाधीश शशिकांत पांडेय, पूर्व लोक सेवा आयोग सदस्य प्रो. आर.एन. त्रिपाठी, वरिष्ठ अधिवक्ता पं. अमर नाथ पाण्डेय, अजय त्रिपाठी, दिनेश मिश्रा, प्रबंधक, हरिश्चंद्र द्विवेदी, संजय सिंह, रविंद्र मिश्र, माताफेर मिश्रा सहित हजारों की संख्या में क्षेत्रीय जनता मौजूद रही।

अहमदाबाद में जौनपुर महोत्सव कराने वाले जितेंद्र सिंह ने पत्रकारों व प्रतिभाओं को किया सम्मानित ।

जय प्रकाश मिश्रा जिला संवाददाता जौनपुर महराजगंज, जौनपुर। महराजगंज थाना क्षेत्र के कोल्हुआ बाजार में शाहपुर नेवादा गांव निवासी जितेंद्र सिंह संयोजक – जौनपुर महोत्सव अहमदाबाद ,उपाध्यक्ष बेकरी संध गुजरात,समाजसेवी ने क्षेत्र के पत्रकारों सहित लंबी मूंछ, कबड्डी एवं अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा से क्षेत्र



का नाम रोशन करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में जितेंद्र सिंह ने पत्रकारों व प्रतिभाओं को माल्यार्पण कर अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न (श्रीलड) प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज के चौथे स्तंभ हैं। वे निर्भीक और निडर होकर समाज की समस्याओं को सामने लाने का कार्य करते हैं। ऐसे में पत्रकारों का उत्साहवर्धन करना समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि खेल, कला और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाली प्रतिभाओं को भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

जितेंद्र सिंह पिछले कई वर्षों से अहमदाबाद में रहकर व्यवसाय के साथ सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय हैं। 14 जून को अहमदाबाद में जौनपुर महोत्सव के आयोजन को लेकर भी उन्हें विशेष पहचान मिली है। इस वर्ष आयोजित जौनपुर महोत्सव में जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह, बृजेश सिंह प्रिंसू एमएलसी तथा ब्लॉक प्रमुख विनय कुमार सिंह सहित क्षेत्र के कई विशिष्ट लोगों ने सहभागिता की और जौनपुर की संस्कृति एवं पहचान को आगे बढ़ाया। अहमदाबाद पहुंचे अशोक सिंह, अरुण सिंह पूर्व प्रहान एवं शिव प्रताप सिंह अपराध निरोधक समिति अध्यक्ष ने भी आयोजन की सराहना की।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंधक नन्हकऊ गुप्ता ने की, जबकि संचालन अवकाश प्राप्त अध्यापक एवं पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष अखिलेश सिंह व नरेंद्र सिंह गांधी सेवा निवृत्त शिक्षक सहित क्षेत्रीय जनों में जितेंद्र सिंह के बड़े भाई राज नारायण सिंह, कृष्णकांत पांडे, रमेश मिश्रा, राजेंद्र शर्मा, पप्पू यादव,हर्षित सिंह आदि मौजूद रहे जहां सभी को जितेंद्र सिंह द्वारा सम्मानित किया गया अंत में। शिव प्रताप सिंह ने अपनी समिति के लोगों को भी पहचान पत्र कार्ड वितरण कर आए हुए आभारों के प्रति आभार व्यक्त किया।

आखिर कृतिम बुद्धिमत्ता को लेकर जारी अमेरिकी-चीनी रसाकसी के बीच क्या करे भारत? समझिए विस्तार से

चीनी नेतृत्व वाले ‘वर्ल्ड एआई कोआपरेशन ऑर्गेनाइजेशन’ में 29 देश शामिल हैं। फिर भी ब्रिक्स देशों को चीन ने जो आकर्षक ऑफर दिया है उससे निकट भविष्य में पूरा खेल बदल सकता है। ऐसा इसलिए कि अमेरिकी एआई कंपनियों ने एआई की प्रगति को श्लोडाउनश्न करने का आह्वान किया है। एक एक करके स्पष्ट करेंगे। चीन की प्रतिस्पर्धा देखते ही बनती है। इस बार मुद्दा कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई बनी है, वो भी ब्रिक्स 2026 बैठक के तुरंत बाद जिसका देशों के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो अपना महत्व है। चूंकि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ब्रिक्स देशों को एआई ओपन सोर्स उपलब्ध कराने की घोषणा की थी, इसलिए अमेरिकी राष्ट्रपति

सम्पादकीय

प्राकृतिक तकाजों को नजरअंदाज

नेपाल की त्रासदी का संदेश है कि प्राकृतिक तकाजों को नजरअंदाज करने का समय बीत चुका है। विकास के नाम पर पर्यावरणीय सुखा की बलि देना जारी रहा, तो ऐसी घटनाओं से बचना संभव नहीं रह जाएगा।

ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण ग्लेशियर पिघल रहे हैं, यह चर्चा दशकों पुरानी हो चुकी है। इसके क्या घातक परिणाम होंगे, इसको लेकर वैज्ञानिक चेतावनियां भी आम चर्चा में रही हैं। कई दिन की जांच-पड़ताल के बाद अब यह साफ है कि नेपाल में 26 अगस्त को जो हुआ, वह उन चेतावनियों का ही साकार रूप लेना था। इसीलिए उस रोज हुई ग्लेशियर टूटने की घटना को महज प्राकृतिक आपदा के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। स्पष्टतःयह हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र पर जलवायु परिवर्तन के हुए प्रभाव का परिणाम है। इसलिए यह एक गंभीर चेतावनी है। इसे ध्यान में रखना चाहिए कि ग्लेशियल झील के फटने से आने वाली बाढ़ जैसी त्रासदियां अनहोनी का हो जाना भर नहीं हैं।

बल्कि ये इनसान की अ–दूरदर्शिता का सीधा परिणाम हैं। 26 अगस्त को नेपाल–चीन सीमा के पास लांगटांग लिरुंग क्षेत्र में एक विशाल ग्लेशियर अचानक खिसक गया। यह घटना लगभग 5,200 मीटर की ऊंचाई पर हुई। ग्लेशियर टूट कर लगभग 1,200 मीटर नीचे स्थित घाटी में गिरा। उसके प्रभाव से तीव्र घर्षण पैदा हुआ और अत्यधिक बर्फ पिघलकर गारे और चट्टानों के साथ बह निकली। यह घटना बताती है कि उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हर पल मॉनिटरिंग और उपग्रह आधारित निगरानी की कितनी कमी है। समय पर हिमनद झील के बढ़ते जलस्तर का आकलन कर निचले इलाकों के लिए चेतावनी जारी कर दी जाती, तो जान–माल के नुकसान को सीमित किया जा सकता था। यह भी गौरतलब है कि हिमालय जैसे पारिस्थिकीय नजरिए से नाजुक क्षेत्र में बिना ठोस पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन किए पनबिजली परियोजनाओं, सड़कों, और सुरंगों का अंधाधुंध निर्माण किया जा रहा है। इससे ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने का जोखिम कई गुना बढ़ा है।

उधर बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण हिमनद तेजी से पिघलकर खतरनाक झीलों का रूप ले रहे हैं। कुल मिलाकर इस त्रासदी का संदेश है कि प्रकृति के तकाजों को नजरअंदाज करने का समय बीत चुका है। विकास के नाम पर पर्यावरणीय सुखा की बलि देना और जलवायु परिवर्तन संबंधी चेतावनियों को नजरअंदाज करना जारी रहा, तो ऐसी घटनाओं से बचना अब संभव नहीं रह गया है।

राजीव से राहुल तक का सफर भी कम गौरतलब नहीं

ढेरों प्रमाण हैं। तारीखों और घटनाओं का वह अंतहीन सिलसिला है जिससे मेरा निष्कर्ष है कि भारत के कम्युनिस्टों ने न केवल देश का समय बिगाड़ा। खुद के अवसर भी गंवाए। लेफ्ट के खतरे में राजनीतिक बरबादियां लगातार दर्ज कराईं। बावजूद इसके मेरे मन में कम्युनिस्ट नेताओं के चाल, चेहरे और चरित्र की कसौटी में सम्मान है। खासकर आज सत्ता में संघ–भाजपाइयों के चाल, चेहरे और चरित्र को देखते हुए तो और भी अधिक। उस नाते ई. एम. एस. नंबूदरीपाद, ज्योति बसु, इंद्रजीत गुप्त से माणिक सरकार, पिनरारी विजयन और वाम संगठनों के प्रकाश करात, सीताराम येचुरी, दीपांकर भट्टाचार्य तककृइन लोगों की निजी सादगी, सहजता और वैचारिक प्रतिबद्धता का जितना सम्मान किया जाए, कम है।

कांग्रेस (राहुल) की दीमक है लेफ्ट–2 मगर व्यक्ति की ईमानदारी से विचार और उसके परिणाम सही साबित नहीं होते।

भारतीय कम्युनिस्टों का विरोधाभास यही है। निजी जीवन में जितने सादे और प्रतिबद्ध, भारत को पढ़ने में उतनी ही बार गड़बड़। स्वतंत्रता के बाद कम्युनिस्टों ने आजादी को अधूरा माना। कांग्रेस को बुर्जुआ सत्ता कहा। नेहरू को कभी वर्ग–शत्रु की राजनीति में पड़ा और कभी उन्हीं के आसपास घेरेबंदी से उन पर वैचारिक प्रभाव बनाया। नेहरू के आखिरी सालों में कृष्ण मेनन और चीन से भारत की हार का ठीकरा भी फूटा। चीन के सवाल पर ही कम्युनिस्ट विमाजित हुए। दो पार्टियां बंईं। इंदिरा गांधी के दौर में सीपीआई उनके साथ थी। उसका आपातकाल को समर्थन रहा। फिर जनता पार्टी, वी. पी. सिंह, संयुक्त मोर्चा और यूपीएकूदिल्ली में सत्ता के गठजोड़ बने तब भी वामपंथी चेहरों, पार्टियों का सरकारों, राष्ट्रीय नैरेटिव और मीडिया में हल्ला रहा।लेकिन एक बात, एक वास्तविकता हमेशा कायम रही। केंद्र सरकार की सत्ता के आसपास विचार, बौद्धिकता और विमर्श की दुनिया में वाम की हैसियत उसकी असल जगह है।सियत, पाए गए लेफ्ट वोटों से अक्सर कई गुना बड़ी रही।सोवेंत, कृष्ण मेनन के प्रभाव और 1962 के अनुभव यानी लेफ्ट से नेहरू ने क्या पाया? कांग्रेस के 1969 के विभाजन के बाद वाम समर्थन और वाम–प्रगतिशील बौद्धिक प्रभाव की ओर बढीं इंदिरा गांधी अंततरक काहं पहुंची? बैंक राष्ट्रीयकरण, प्रिदी पर्स, गरीबी हटाओ, हल्कारी उद्योगों–उद्यमों, लाइसेंस–कोटा से कांग्रेस और भारत ने क्या पाया?लगातार फैंलते सरकारी दायरे में उलटे कांग्रेस अपनी पुगनी मध्यमार्गी अर्थनीति से लेफ्ट की ओर खिसकती गई।।तात्कालिक फायदे की राजनीति में भले इंदिरा को गरीबों की मसीहा की ईमेज मिली। कांग्रेस का नया सामाजिक आधार बना। मगर उसी के साथ सरकार अधीनस्थवस्था और नागरिक जीवन की सर्वशक्तिमान माई–बाप बनती गई।ऐसे ही इंदिरा गांधी के समय विश्वविद्यालयों, इतिहास, संस्कृति, अकादमिक संस्थानों, मीडिया और दिल्ली के नीति–विमर्श में लेफ्ट का नया प्रगतिशील प्रतिष्ठान बना। सही है, उसमें बैठे सभी लोग कम्युनिस्ट नहीं थे।

होने की है।जहां तक भारत की “AI आत्मनिर्भरता” का सवाल है तो उसे विदेशी एआई यानी अमेरिका, चीन, यूरोप के एआई पटल को बंद करना नहीं चाहिए, बल्कि इन्हें इतना सक्षम बनना चाहिए कि भारत अपनी जरूरतों के लिए एआई बना सके और दुनिया को भी बेच सके। आपको पता होगा कि अमेरिका के नेतृत्व वाले एआई ‘पैक्स सिलिका संगठन’ में 34 देश शामिल हैं, जिसमें भारत भी एक है।वहीं, चीनी नेतृत्व वाले वर्ल्ड एआई कोआपरेशन ऑर्गेनाइजेशन में 29 देश शामिल हैं। फिर भी ब्रिक्स देशों को चीन ने जो आकर्षक ऑफर दिया है उससे निकट भविष्य में पूरा खेल बदल सकता है। ऐसा इसलिए कि अमेरिकी एआई कंपनियों ने एआई की प्रगति को श्लोडाउनश्न करने का आह्वान किया है। चूंकि अब अमेरिका के भीतर ही एआई की प्रगति को लेकर विरोधाभास सामने आ रहा है और ट्रंप प्रशासन की तरफ से अमेरिकी कंपनियों को एआई प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल में अमेरिकी हितों को प्राथमिकता की बात हो रही है, इसलिए पैक्स सिलिका संगठन के अन्य 33 देशों का दिग्भ्रमित होना स्वाभाविक है। ऐसे में यदि चीन, भारत और यूरोप आपसी समझदारी विकसित करके अमेरिका को मात दे दें तो किसी के लिए भी हैरत की बात नहीं होगी। क्योंकि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ब्रिक्स के मंच से कहा है कि चीन ब्रिक्स के लिए ओपन सोर्स एआई समुदाय बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा, बड़े भाषा मॉडल के विकास व उपयोग में सहयोग देगा, विशेष प्रशिक्षण आयोजित करेगा, और खुला एआई पारिस्थितिकी तंत्र खड़ा करेगा।खास बात यह कि यह प्रस्ताव इस पृष्ठभूमि में आया है जब चीनी कंपनियां अपना सोर्स मॉडल पर जोर दे रही हैं, जबकि अमेरिकी दिग्गज कंपनियां अधिक बंद, फ्रंटियर मॉडल पर काम कर रहे हैं। चूंकि भारत इस प्रतिद्वंद्विता को

देसी राज की शिक्षा ने मतिहीन नेता बनाए

शंकर शरण हिन्दू ग्रंथों की निन्दा करने वाले उसे शायद ही पढ़ते हैं। मनुस्मृति के रांघर–शासन संबंधी तीनों अध्याय गंभीर ज्ञान–मंडार हैं। अधिकांश आज भी मूल्यवान। तब सोचें, तीन हजार वर्ष पहले इतना गहन चिंतन विश्व में कहीं था! तब क्यों ऐसे शास्त्र रचे गए, जिन की बातें आज भी चमकृत करती हैं। ज निंदक लोग केवल सुनी–सुनाई पर चलते हैं कि उस में शूद्रों या स्त्रियों के बारे में कुछ आपत्तिजनक है।य वस्तुतःरु मनुस्मृति में वैसा भी कुछ नहीं है।.. स्वामी दयानन्द सरस्वती ने मनुस्मृति को अपने समाज–सुध ार का आधार बनाया था। यदि मनुस्मृति जातिवादी या स्त्री–विरोध ि होती, तो वे संपूर्ण भारत में इतना बड़ा आधुनिक, व्यापक प्रभावशाली सुधार आंदोलन चलाने में कैसे सफल हुए होते?

प्रायःरु लगता है, कि अंग्रेजों ने इस देश को अधिक सहानुभूति से समझा था। लोगों की ही नहीं, अपितु यहाँ के ज्ञान, इतिहास, विरासत, धर्म और संस्कृति के प्रति भी सच्ची देख–भाल की प्रवृत्ति उन में थी। यह बात एकरागी विचित्र लगे, किंतु ठोस पैमानों पर कृ सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं व्यवहारिक कृ परखने से सोचने पर विश्वास होना पड़ेगा। शिक्षा का उदाहरण लें। अंग्रेजों ने यहीं अपने बनाए स्कूलों, कॉलेजों में यूरोप के सर्वश्रेष्ठ ज्ञान से भारतीय बच्चों, युवाओं को शिक्षित किया। साहित्य और दर्शन में महान भारतीय रचनाओं को भी वही स्थान दिया। यह पुराने पुस्तकालयों में रखी उस जमाने की पाठ्य सामग्रियों तथा उस युगीन हमारे से विद्वानों के लेखन के माध्यम से भी जाना जा सकता है। पर देशी राज की शिक्षा ने क्या किया? इस ने जल्द ही शिक्षा को राजनीतिकरण, मतवादीकरण कर दिया!

पूरे ब्रिटिश राज में शायद ही स्कूलों में कभी ब्रिटिश सम्राटों या वायसरायों की विरुदावली रटाने,

चीन इस दूरी को पाटकर आगे भी निकल सकता है, बशर्ते कि भारत जैसे मजबूत पड़ोसी का साथ उसे मिल जाए।तकनीकी अध्ययन भी जाहिर करते हैं कि एआई अब एकतरफा अमेरिकी वर्चस्व की कहानी नहीं, बल्कि दो धुंकों की कड़ी तकनीकी प्रतिस्पर्ा बन चुकी है। इसलिए आइए



जानते हैं कि किस क्षेत्र में कौन (अमेरिका या चीन) आगे? खासकर क्षेत्र, उसमें मिली बढ़त और अद्यतन स्थिति के नजरिए से – एक, फ्रंटियर एआई मॉडल में अमेरिका बढ़त में है। उसका मॉडल अभी समग्र प्रदर्शन में आगे है।दो, एआई चिप्स/जीपीयू में अमेरिका को बढ़त है। Nvidia का बड़ा लाभ उसे मिला है।तीन, एआई कंप्यूट/आंकड़ा केंद्र में अमेरिका को बढ़त है। विशाल पूंजी, जीपीयू और हाइपरस्केल इंफ्रास्ट्रक्चर में वह आगे है।चार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता शोध पारिस्थितिकी तंत्र में अरिका को बढ़त है। वह विश्वविद्यालय, बड़ी तकनीक और उद्यम पूंजी का संयोजन करने में आगे बढ़ा है। और पांच, वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता पारिस्थितिकी तंत्र में अमेरिका को बढ़त प्राप्त है। उसे सहयोगी देशों, कंपनियों और क्लाउड पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ मिला है। छह, सेमीकंडक्टर विनिर्माण या अर्धचालक निर्माण में चीन को कुछ क्षेत्रों में बढ़त प्राप्त है। उसने बड़े पैमाने का विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला मजबूत किया है।सातवां, ओपन सोर्सधकम लागत वाले मॉडल में चीन मजबूत चुनौती बनकर उभरा है। उसके डीपसीक जैसे मॉडल ने लागत–प्रतिस्पर्धा

देसी राज की शिक्षा ने मतिहीन नेता बनाए

ने अंग्रेज शासकों, प्रशासकों, अधिका्रियों पर सामान्य पक्षपात या भ्रष्टाचार का आरोप कभी नहीं लगाया। उन का नियमित कामकाज इतनी पारदर्शिता और गुणवत्ता से चलता था।

अतरु क्या आश्चर्य कि आज देश के सर्वोच्च नेतागण भी भारतीय ज्ञान–ग्रंथों के बारे में शून्य जानकारी रखते हैं। यदि कोई संस्था सर्वेक्षण करे (जो शून्य रीसर्चवै जैसी कोई विदेशी ही हो सकती है, देश में अब ऐसी कोई संस्था ही नहीं बची। जो यह करती हो) तो हमारे तमाम मंत्रियों, सांसदों में भारतीय ज्ञान ग्रंथों के पाँच नाम भी बता सकने वाले बिरले ही मिलेंगे। वही देश की शिक्षा, संस्कृति, और विज्ञान, सब के कर्णधार हैं! कहने की जरूरत नहीं कि आम अन्धत्व की स्थिति में इस हाल का मतलब समझने वाले भी बहुत कम हैं। और जो हैं वे असहाय दर्शक भर।

अब इस नये प्रसंग को देखें, जो श्मनुस्मृतिय को फिर दो लात लगाने से जुड़ी है। एक महान ज्ञान–ग्रंथ को जिस ने ब्रिटिश राज के दौर में स्वामी दयानन्द और स्वामी विवेकानन्द जैसे महापुरुषों को प्रेरित किया, जिन्होंने देश–विदेश में अनगिनत लोगों को अपनी सीख से लाभान्वित किया। उस ग्रंथ का स्थान देसी राज में यह है कि हर नेता उसे गाली देकर, या जला कर अपने को देश का कर्णधार समझता है! किसी को उसे पढ़ने की जरूरत नहीं। बस, गाली देना पर्याप्त है। जिस से वह प्रगतिशील, बहुजन–हितैषी, समाज सेवक, आदि कहलाने का हकदार हो जाता है।

यह है देसी राज की शिक्षा का नतीजा, जिस में पैदा हुए और पले–बढ़े लोग ही आज देश भर में सत्तासीन हैं। वे न केवल यह दृ श्य सहज रूप से देखते हैं, अपितु इसी को प्रोत्साहन देते हैं। मामूली खोजबीन से ऐसे उच्च पदस्थ लोग मिल जाएंगे जो मनुस्मृति को जलाकर, या उसे अपशब्द कह कर ऊपर स्थापित हुए। साथ ही, ऐसे लोग भी मिल जाएंगे जो जटिल विषयों के अच्छे ज्ञाता हैं, इसीलिए कहीं भूखे, बेघर उपेक्षित पड़े हैं। जो किसी विशेष के अनुदान

एआई मॉडल के लगभग 90 प्रतिशत पर नियंत्रण रखते हैं। सवाल है कि असली अमेरिकी बढ़त कहीं हैं? तो जवाब होगा कि अमेरिका के पास एक ऐसा एआई स्टैक (AI stack) है, जिसे चीन के लिए पूरी तरह दोहराना कठिन है। उदाहरण स्वरूप Nvidia/एआई चिप्स, सेमीकंडक्टर डिजाइन, क्लाउड, हाइपरस्केल डेटा सेंटरस, OpenAI/Anthropic/Google आदि उद्यम पूंजी और ग्लोबल डेवलपर्स के अमेरिकी विकल्प चीन के पास उस पैमाने पर उपलब्ध नहीं हैं। यही कारण है कि अमेरिका केवल अच्छे 1८ मॉडल नहीं बना रहा, बल्कि 1८ की पूरी वैश्विक आधारभूत संरचनात्मक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव रखता है।

यह बात दीगर है कि आज अमेरिका स्पष्ट लेकिन घटती हुई बढ़त पर है और अगले 3–5 साल के दरम्यान ही अमेरिका व चीन का मुकाबला बेहद करीबी हो सकता है। जबकि दीर्घकाल में चीन की मॉडल तार्किक क्षमता, गणित, कुटलेखन (coding) तथा लंबे समय वाले स्वायत्त कार्य या दीर्घकालिक एजेंट–आधारित कार्य में समग्र बढ़त रखते हैं।लेकिन चीन को भी कम आंकना बड़ी गलती होगी। चीन की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह AI को पूरे औद्योगिक तंत्र से जोड़ रहा हैकृमोबाइल, ईवी, रोबोटिक्स, विनिर्माण, निगरानी या चौकसी, समान का प्रबंधन और सरकारी सेवाओं तक काफी मजबूत है। और चीन ने अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद अपने एआई चिप पारिस्थितिकी तंत्र को तेजी से विकसित किया है। हालांकि अभी अमेरिकी Huawei जैसे चीनी विकल्प या अमेरिकी छापकंप की बराबरी के पैमाने पर चीन नहीं है और अमेरिकी भंड जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों की कमी चीन के मार्ग की सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है। एक महत्वपूर्ण संकेत यह भी है कि अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक कंप्यूट, निवेश और सहयोग से जीवन चला रहे हैं। क्योंकि वे उस श्केटैगरीच के हैं जिन की जरूरत देसी राज को नहीं है।

सो, देसी राज में महान पुस्तकें शिक्षा से क्रमशःरु बाहर होती गईं। उन्हें तुच्छ या अप्रासंगिक मान लिया गया। बिना पढ़े। मनुस्मृति की नियमित भर्त्सना इसी का उदाहरण है। जबकि यदि शीर्षक हटाकर इसे किन्हीं भी दस समझदार लोगों को पढ़ने को दें, और फिर मतव्य लें, तो सभी उसे महान ग्रंथ मानेंगे। अतरु निंदक लोग केवल सुनी–सुनाई पर चलते हैं कि उस में शूद्रों या स्त्रियों के बारे में कुछ आपत्तिजनक है।य

वस्तुतःरु मनुस्मृति में वैसा भी कुछ नहीं है। यदि होता, तब भी आज के नजरिए से किसी पुरानी पुस्तक में कोई नापसंद बात मिलने पर भी उसे अपमानित करना मूर्खता है। इसीलिए श्शोल्ड टेस्टामेंटच या श्शुरानच जैसे प्राचीन ग्रंथों को सम्मान दिया जाता है। जबकि उस में पगान, आइडोलेटर, काफिर, यानी दूसरे धर्म–विश्वासियों के लिए अत्यंत अपमानजनक बातें लिखी हुई हैं। उस दृष्टि से आज दुनिया में कम से कम तीन अरब लोग आइडोलेटर और काफिर हैं। तो मनुस्मृति को गाली देने की तर्ज पर आइडोलेटरों को क्या इन्हें उन पुस्तकों को अपशब्द कहने का अधिकार है? पूछ कर देखिए, मनुस्मृति को जलाने का दंभ रखने वाले बगलें झोंकने लगेंगे। देसी राज की शिक्षा ने ऐसे ही मतिहीन नेता बनाए हैं। जो अपनी ही दलील से दो ककम भी सुसंगत नहीं चल सकते। पर वही हमारे कर्ता–धर्ता और मार्गदर्शक हैं।

मनुस्मृति में सुष्टि, दर्शन, धर्म–चिंतन, जीवन के विधि–विधान, गृहस्थ–जीवन, स्त्री, विवाह, राज्य–राजा संबंधी परिमार्श, वैश्य–शूद्र संबंधी कर्तव्य, प्रायश्चित्त, कर्मफल विधान, मोक्ष और परमात्मा चिंतन है। विविध 1 प्रकाशनों में मनुस्मृति में डेढ़ से लेकर ढाई हजार श्लोक मिलते हैं।

को केवल “AI का उपभोक्ता” बनने के बजाय “AI का निर्माता और निर्यातक” बनना होगा। इसे एक रणनीतिक सूत्र में ऐसे समझिए इतिहासभारत चिप, कंप्यूट, डेटा, प्रतिभा, स्वदेशी मॉडल, स्टार्टअप, सुरक्षित रेगुलेशन और वैश्विक सहयोग को बढ़ाकर AI महाशक्ति बनने की दिशा में कदम बढ़ा सकता है।ऐसा इसलिए कि भारत की विशेष ताकत उसके पास विशाल डिजिटल बाजार, यूपीआई जैसी डिजिटल सार्वजनिक अवसरचना, युवा तकनीकी प्रतिभा और दुनिया का बड़ा बहुभाषी उपभोक्ता आधार है। यदि भारत को कंप्यूट और गहन तकनीकी अनुसंधान के साथ जोड़ा जाए, तो भारत अमेरिका–चीन की सीधी नकल किए बिना अपना अलग AI मॉडल खड़ा कर सकता है।इस प्रकार भारत तीसरा AI शक्ति–केंद्र बन सकता है।बशर्ते कि वह केवल AI का बड़ा बाजार नहीं, बल्कि AI की पूरी वैल्यू चैन का महत्वपूर्ण निर्माता बन जाए। इसके लिए भारत को अमेरिका और चीन से अलग रास्ता अपनाना होगा, क्योंकि भारत की ताकत कम लागत, विशाल बहुभाषी बाजार, डिजिटल सार्वजनिक अवसरचना और इंजीनियरिंग प्रतिभा है। जहां तक भारत की सबसे बड़ी संभावित ताकत की बात है तो अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी विशेष्ठज्ञ भी मानते हैं कि।अमेरिका के पास नवोन्मेष और पूंजी है, चीन के पास स्केल और विनिर्माण है, जानकी भारत अपनी प्रतिभा, डिजिटल सार्वजनिक अवसरचना और बृहत बाजार को जोड़कर अपना मॉडल बना सकता है। इसलिए भारत, अमेरिका और चीन के बीच रणनीतिक संतुलन साधते हुए खुद को किसी एक कैंप का तकनीकी उपग्रह नहीं बनना चाहिए, बल्कि अमेरिका से एडवांस चिप्स/अनुसंधान, जापान–कॉरिया से सेमी कंडक्टर सहयोग, यूरोप से जिम्मेदार एआई मानक और अन्य देशों से डेटासेट्स/मार्केट्स के मद्देनजर सबके साथ साझेदारी करनी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष राशि—

मेष राशि वालों आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज आपको व्यापारिक लाभ कमाने का बेहतरीन अवसर प्राप्त होगा, आपके आय के नए स्रोत बनेंगे

वृषभ राशि—

वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। आज आप कारोबार से जुड़े मामलों पर ध्यान देंगे और उसे आगे बढ़ाने में किसी की मदद लेंगे।

मिथुन राशि—

मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहने वाला है। आज आप कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, जिसमें कलीग का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क राशि—

कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको रोजगार के तमाम बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे और आपकी आय के नए स्रोत भी बनेंगे,

सिंह राशि—

सिंह राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज आप अपने सहकर्मियों के साथ मित्रवत व्यवहार करें, तो आने वाले समय में वो आपका अच्छा लाभ करायेंगे।

कन्या राशि—

कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप पेंडिंग वर्क निपटाने के लिए किसी करीबी की मदद ले सकते हैं।

तुला राशि—

तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप अपने कारोबार में डबल मुनाफा कमायेंगे और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सफल बनेंगे।

वृश्चिक राशि—

वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आप अपने बिजनेस में कुछ बदलाव कर सकते हैं, जिसका जल्द ही आपके पॉजिटिव रिस्पांस मिलेगा।

धनु राशि—

धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप व्यापारिक लाभ कमाने के साथ–साथ अपने खर्चों के ऊपर भी ध्यान दें।

मकर राशि—

मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है। आज आपकी योजनाओं को सही दिशा मिलेगी, जिससे वो अपने उद्देश्य की तरफ आगे बढ़ेंगी।

कुम्भ राशि—

कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप व्यावसायिक रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए कुछ अहम फैसले करेंगे,

मीन राशि—

मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आज ऑफिस में बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे और जूनियर भी आपसे कुछ सीखने का प्रयास करेंगे।

रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय में ‘राष्ट्र बोध’ पर ”युवा संवाद“ संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अतुल कृष्ण ने युवाओं से भारतीय संस्कृति, मूल्यों और राष्ट्र निर्माण से जुड़ने का किया आह्वान

संवाददाता।

देहरादून, 15 सितंबर 2026। रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय, देहरादून में संस्कृति विभाग एवं अभ्युदय भारत राइजिंग फोरम के संयुक्त तत्वावधान में ‘राष्ट्र बोध’ विषय पर ‘युवा संवाद’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को राष्ट्र के प्रति जागरूकता, गौरव, कर्तव्यबोध और राष्ट्र सेवा की भावना से जुड़ने का संदेश दिया गया।



स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक श्री धनंजय जी ने कहा कि राष्ट्र बोध केवल राष्ट्र के प्रति भावनात्मक जुड़ाव तक सीमित नहीं है। अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन, भारतीय संस्कृति एवं विरासत के प्रति सम्मान और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी राष्ट्र बोध का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि युवाओं के विचार, प्रश्न, संवाद और सक्रिय सहभागिता देश के भविष्य को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी जिज्ञासाओं को संवाद के माध्यम से व्यक्त करने तथा अपनी ऊर्जा और प्रतिभा का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में सुभारती समूह की ट्रस्टी सुश्री अवनी कमल की विशेष उपस्थिति रही। विश्वविद्यालय के ष्ठ विभाग के सहायक निदेशक एवं संस्कृति विभाग के सदस्य श्री रमन कृष्ण किमोठी ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने राष्ट्र बोध, राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका तथा भारतीय संस्कृ ति एवं जीवन—मूल्यों से जुड़े रहने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी अतिथियों, आयोजकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय की सहायक आचार्य सुश्री मिदत असलम ने किया। इस अवसर पर संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश तिवारी, संस्कृति विभाग के सचिव एवं कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग के विभागाध्यक्ष श्री विनय सेमवाल, विश्वविद्यालय के कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गीत एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। ‘युवा संवाद’ के माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि राष्ट्र बोध केवल देश के प्रति प्रेम की भावना नहीं, बल्कि कर्तव्य, अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र सेवा के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का भाव है।



थाने में बिलखते रहे मां-बाप, बेटी ने महाराष्ट्र से मेरठ आकर हलवाई संग रचाई शादी

मेरठ। इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद महाराष्ट्र के कुर्ला से मेरठ पहुंची युवती ने हलवाई का काम करने वाले युवक से कोर्ट मैरिज कर ली। उधर, रिपोर्ट दर्ज होने के बाद महाराष्ट्र पुलिस मेरठ पहुंची। महाराष्ट्र पुलिस ने स्थानीय पुलिस की मदद से युवती को बरामद कर युवक को हिरासत में लिया। थाने में माता-पिता घंटों मान-मनौबल करते रहे लेकिन युवती ने उनके साथ जाने से इनकार कर दिया। कहा, उसने युवक संग कोर्ट मैरिज कर ली है। अब उसके ही पास रहेगी।

भारत मां के भाल की बिन्ती है हिन्दी-डा. ममता भाटिया

मेरठ। विद्या विश्वविद्यालय स्थित पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में मंगलवार को हिन्दी दिवस पखवाड़ा के तहत हिन्दी दिवस का आयोजन धूमधाम से हुआ। इसमें हिन्दी की महत्ता स्थापित करते हुए विद्यार्थियों ने अनेक कार्यक्रम किए। कविता पाठ, भाषण, लघु नाटिका, नृत्य और हिन्दी भाषा के ज्ञान को लेकर क्वीज प्रतियोगिता हुई। अंत में सभी ने दैनिक जीवन में हिन्दी भाषा का अधिक से अधिक उपयोग करने की प्रतीज्ञा ली। हिन्दी दिवस पखवाड़ा के तहत विद्या विश्वविद्यालय के पत्रकारिता

वह मां-बाप को थाने में रोते हुए छोड़ युवक के साथ चली गई।गंगानगर थाना क्षेत्र के मीनाक्षीपुरम गली नंबर-1 में एक युवक हलवाई का काम करता है। युवक की महाराष्ट्र के कुर्ला क्षेत्र निवासी मुस्लिम समाज की युवती से एक साल पहले दोस्ती हुई थी। इसके बाद दोनों फोन पर बातचीत करने लगे। युवक ने युवती के सम्बन्ध शादी का प्रस्ताव रखा तो युवती गत नौ अगस्त को घर से निकल गई। 11 अगस्त को वह ट्रेन से हरिद्वार पहुंची। 20 अगस्त को

युवक ने उसके साथ मेरठ में कोर्ट मैरिज की और शादी का फंजीकरण भी करा लिया। स्वजन के साथ रविवार को गंगानगर थाने पहुंचे। मां-बाप चार घंटे तक बेटी को समझाते रहे लेकिन उसने उनके साथ जाने से इन्कार कर दिया। इसके बाद युवती मां-बाप को थाने में रोते हुए छोड़ युवक संग चली गई। सीओ सदर देहात सुधीर सिंह ने कहा, युवक और युवती बालिग हैं। उन्होंने कोर्ट मैरिज के प्रमाण-पत्र भी दिखाए हैं।

अन्त में विभागाध्यक्ष डॉ.ममता भाटिया ने हिन्दी के महत्व पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी केवल हमारी मातृभाषा ही नहीं है बल्कि यह हमें सांस्कृतिक जड़ें से जोड़ती है। यह संसार के साधन के साथ हमारी पहचान और गौरव का प्रतीक भी है। हिन्दी का संरक्षण और संर्वर्न करना हमारा कर्तव्य है। अन्त में सभी ने हिन्दी भाषा का दैनिक जीवन में अधिक से अधिक उपयोग करने को लेकर प्रतीज्ञा की। इस मौके पर महाविद्यालय की डीन डॉ. शैमा वर्षीय ने सभी को हिन्दी दिवस की ब्धाई दी।

बकहर पोषक नहर में विशालकाय मगरमच्छ से मचा हड़कंप

मड़िहानधीरजापुर। तहसील क्षेत्र के लुसा गांव स्थित बकहर पोषक नहर में विशालकाय मगरमच्छ घूमता हुआ दिखाई देने से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। मगरमच्छ को नहर में घूमते देख चरवाहों ने मोबाइल के कैमरे में उसकी तस्वीर कैद कर ली, जिसके बाद से ग्रामीणों में खौफ का माहौल है। सूचना के बाद भी वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर नहीं पहुंची, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है। लुसा गांव निवासी नीलरतन सिंह पटेल ने बताया कि उनका खेत करौदा गांव के बॉर्डर से सटा हुआ है। सोमवार की सुबह वह खेत पर मजदूरों को लेकर धान की निराई करा रहे थे। इसी दौरान करौदा और लुसा गांव के चरवाहे अपने पशुओं को चराने के लिए बकहर पोषक नहर की तरफ ले गए थे। तभी उनकी नजर नहर के पानी में घूम रहे विशालकाय मगरमच्छ पर पड़ी। चरवाहों ने हिम्मत दिखाते हुए मगरमच्छ की तस्वीर अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर ली और तुरंत गांव में सूचना दी। ग्रामीणों ने तत्काल मड़िहान वन क्षेत्राधिकारी को फोन कर नहर में मगरमच्छ होने की जानकारी दी। आरोप है कि वन क्षेत्राधिकारी ने हल्का अपने क्षेत्र में है या नही इसकी जानकारी नही होने की बात कहकर पल्ला झाड़ लिया और खुद भी मौके पर नहीं पहुंचे। घंटों बीत जाने के बाद भी कोई भी संबंधित अधि कारी या रेस्क्यू टीम मौके पर सुध लेने नहीं पहुंची। नहर में मगरमच्छ होने की खबर से क्षेत्रीय पशुपालकों में भय बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि रोजाना सैकड़ों पशु नहर में पानी पीने के लिए जाते हैं। अगर कोई भी पशु पानी पीने के लिए नहर में उतरता है तो मगरमच्छ उसके जीवन के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। इसके साथ ही खेतों में काम करने वाले मजदूर भी नहर के किनारे जाने से डर रहे हैं।

मीरजापुर में चकबंदी लेखपाल को घूस लेते एंटी करषान टीम ने रगे हाथ पकड़ा

मिर्जापुर। जनपद में एंटी करषान टीम ने चकबंदी लेखपाल को महज पांच हजार रुपए घूस लेते पकड़ा है.लेखपाल को एंटी करषान टीम ने पकड़ लालगंज थाने लाकर लेखपाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराकर जेल भेज दिया गया है. जिले के लालगंज तहसील के चकबंदी कार्यालय के सामने सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया जब एक चकबंदी लेखपाल को एंटी करषान टीम ने घूस लेते रंगे हाथ पकड़ लिया. बताया जा रहा मझिगवां गांव के रहने वाले किसान लालजी सिंह से चकबंदी के कागजात में नाम चढ़ाने के लिए पांच हजार की रिश्त लेखपाल मांग रहा था.

शनिवार से लापता सुमित का खरखौदा में खड़ंजे पर मिला शव, गला दबाकर हत्या की आशंका

मेरठ। मेरठ के खरखौदा में सोमवार सुबह खड़ंजे पर युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान चंदपुरा निवासी 30 वर्षीय सुमित के रूप में हुई है। सुमित शनिवार शाम से लापता था। पुलिस की प्रारंभिक जांच में उसके शरीर पर चोट के निशान मिले हैं और गला दबाकर हत्या किए जाने की आशंका जताई गई है। पुलिस को शक है कि हत्या कहीं और करने के बाद शव को यहां लाकर फेंका गया।

सोमवार सुबह धनतला गांव के कुछ किसान खेतों की ओर जा रहे थे। मोहिउद्दीनपुर नगला पातू बिजलीघर से चंदपुरा जाने वाले रास्ते पर रोहतास जाट के ट्यूबवेल के सामने खड़ंजे पर एक युवक का शव पड़ा दिखाई दिया। सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। खरखौदा पुलिस के घर पहुंची और शव की पहचान कराई। मृतक की पहचान चंदपुरा निवासी ईश्वर के 30 वर्षीय बेटे सुमित के रूप में हुई।शनिवार शाम से था लापतापरजिनों के अनुसार सुमित अविवाहित था और खेती-बाड़ी करने के साथ किराये पर ट्रैक्टर चलाकर खेतों की जुताई करता था। शनिवार शाम वह अचानक

घर से लापता हो गया था। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। अब उसका शव मिलने के बाद पुलिस शनिवार शाम से उसके संपर्क में रहे लोगों और उसकी गतिविधियों की जानकारी जुटा रही है। मारपीट के बाद गला दबाकर हत्या की आशंकापुलिस के अनुसार, सुमित के शरीर पर जगह-जगह चोट के निशान मिले हैं। नाक और मुंह से खून निकल रहा था। प्रारंभिक जांच में गला दबाकर हत्या किए जाने की आशंका जताई गई है। पुलिस को यह भी शक है कि हत्या किसी दूसरी जगह की गई और इसके बाद शव को धनतला के जंगल में लाकर खड़ंजे पर फेंका गया। शव को बाइक से लाकर यहाँ के जाने की संभावना भी जांची जा रही है। सुमित के दोनों पैरों पर घिसने के निशान मिले हैं। फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्यघटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फॉरिसिक टीम को भी मौके पर बुलाया। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारण और शरीर पर आई चोटों की स्थिति स्पष्ट होगी।

मरिजद निर्माण को लेकर व्यापारियों से बदसलूकी को लेकर मौलाना गिरफ्तार

मेरठ। केसरगंज मंडी में मस्जिद में हुए निर्माण को लेकर रविवार को फिर हंगामा हुआ। आरोप है कि मस्जिद पहुंचे हिंदू सुरक्षा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व व्यापारियों के साथ मौलाना व उनके बेटे ने बदसलूकी की। रेलवे रोड थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच आरोपित पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया। तीन दिन पहले मरिजद में निर्माण को लेकर हंगामा हुआ था। पुलिस ने निर्माण कार्य रूकवा दिया था। अखिल भारतीय हिंदू सुरक्षा संगठन के

राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन सिरोही ने बताया कि रविवार को कुछ मीडियाकर्मी यहां मस्जिद निर्माण को लेकर चल रहे विवाद की कवरेंज करने आए थे। वह भी वहां पहुंच गए।स्थानीय व्यापारी ईश्वर चंद कंसल व नरेंद्र गोयल समेत अन्य व्यापारी भी आ गए। आरोप है कि इस दौरान मस्जिद के मौलवी मोहम्मद कमर ने उनसे बदसलूकी की। मौलाना के बेटे साद ने मौजूद लोगों को ईंट मारने की कोशिश की। पिता-पुत्र ने गोली मारने की भी धमकी

बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए आर.एम. स्कूल की छाताओं ने जिलाधिकारी को सौंपी रु० 21 हजार की सहायता राशि

मेरठ। आज आर.एम. स्कूल, सरधना, महादेव, मेरठ की छात्राओं ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधि

कारी डा० वी.के. सिंह से भेंट कर उत्तर प्रदेश एवं नेपाल में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए रु० 21,000 की सहयोग राशि सौंपी। जिलाधिकारी ने छात्राओं के इस सराहनीय एवं मानवीय

प्रयास की प्रशंसा की। विद्यालय की छात्राएं जानवी सोम, तपस्या, स्वाति, जानवी एवं अवंतिका ने इस

नेक कार्य में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रुपाली वशिष्ठ तथा वरिष्ठ शिक्षक श्री गौरव गुप्ता ने छात्राओं के इस सामाजिक एवं मानवीय कार्य पर गर्व व्यक्त किया। यह पहल विद्यार्थियों में मानवता, सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण है। सभी छात्राएं एवं विद्यालय परिवार इस पुनीत कार्य के लिए बधाई के पात्र हैं।

के प्रभारी निरीक्षक कृष्णा अवतार सिंह , अशोक सिंह, आखी मूकेश व मुशारी यादव के नेतृत्व में कार्षाई की गई है एंटी करषान टीम के प्रभारी निरीक्षक कृष्णा अवतार सिंह ने बताया कि ड्रमंडगंज के रहने वाले शिकायतकर्ता किसान लालजी सिंह ने तहशीर दी की लालगंज तहसील के चकबंदी विभाग में तैनात लेखपाल दीपक मोर्थ चकबंदी के कागजात में नाम चढ़ाने के लिए पांच हजार की रिश्त मांग रहा है विरोध करने पर नाम नहीं चढ़ने की धमकी दे रहा है.शिकायत को गंभीरता से लेते हुए आरोपित लेखपाल को पांच हजार रिश्त लेते हुए गिरफ्तार कर लिया गया है आगे की कार्रवाई की जा रही है

शिक्षण प्रशिक्षण प्राप्त कर रही दिव्यांग छाताएं ई-ट्राईसाइकिल प्राप्त करने हेतु करें आनलाईन आवेदन

मेरठ। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, सिद्धान्त शर्मा ने जनपद मेरठ में निवासरत् समस्त दिव्यांग छात्राएं जो 16 वर्ष या उससे अधिक उम्र की हैं को किसी भी स्कूलछाँलेउच्च संस्थान में अध्ययनरत् एवं शिक्षण प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हो को सूचित करते हुये बताया कि कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा ई–ट्राईसाइकिल योजना संचालित की गयी है। ऐसी दिव्यांग छात्राएं जो दैनिक कक्षाओं, लाइब्रेरी, लैब, हॉस्टल आदि में सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त नही कर पाती है उनको ई–ट्राईसाइकिल प्रदान कर उनका शैक्षिक पुनर्वासन किया जाना है। इस योजनान्तर्गत अधिकतम ६ नराशि रु० 65,000६- प्रति ई- ट्राईसाइकिल अनुमन्य किया गया है।

पात्रता:-ऐसी दिव्यांग छात्राएं जो मरक्यूलर डिस्ट्रोफी, स्ट्रोक, सेरेबल पाल्सी, हीमोफिलिया आदि से ग्रसित हो तथा शारीरिक रूप से उनकी दृष्टि और मानसिक स्थिति अच्छी हो एवं कमर का ऊपरी भाग स्वस्थ हो जो ई–ट्राईसाइकिल चलाने में सक्षम हो तथा जिसकी दिव्यांगता (दिव्यांग प्रमाण–पत्र, यू०डी0आई०डी0 कार्ड) कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। इस योजनान्तर्गत ऐसी दिव्यांग छात्राएं या उनका परिवार आयकर दाता की श्रेणी में न आता हो। गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार को प्रथम वरीयता प्रदान की जायेगी। यह लाभ उन्ही दिव्यांग छात्राओं को प्रदान होगा जिनकों विगत 05 वर्ष की अवधि में किसी भी स्रोतो से ई–ट्राईसाकिल प्राप्त न की गयी हों।

ई–ट्राईसाइकिल प्राप्त किये जाने हेतु अध्ययनरत् होने का प्रमाण–पत्र सम्बन्धित शिक्षणध्प्रशिक्षणध्संस्थान से उपलब्ध कराया जाना अनिवार्य होगा। आवेदन विभागीय पोर्टल ीजजचेरूक्ष्धूक. नच्ी.पद पर ऑनलाइन कराने का प्राविधान है। इच्छुक दिव्यांग छात्राएं लाभ प्राप्त किये जाने आवेदन ऑनलाइन कराना अथवा अधिक जानकारी कार्यालय, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अडिाकारी, विकास भवन मेरठ में उपस्थित होकर प्राप्त कर सकती है।

मेरठ में प्रापटी महंगी ई-नीलामी में गंगानगर के आवासीय भूखंडों की सर्किल रेट से चार गुना पहुंची बोली

मेरठ। मेरठ विकास प्राधिकरण (मेडा) की ओर से 12 और 13 सितंबर को 201 आवासीय और व्यावसायिक प्लॉटों की ई–नीलामी कराई गई। इसमें गंगानगर के आवासीय भूखंडों पर सबसे ऊंची बोली लगी। यहां 22,500 रुपये प्रति वर्गमीटर के सर्किल रेट के मुकाबले बोली 85 हजार रुपये प्रति वर्गमीटर से ऊपर तक पहुंची। वहीं, कंकरखेड़ा स्थित डिफेंस एक्लेव के दो व्यावसायिक प्लॉटों पर भी 1.50 लाख रुपये प्रति वर्गमीटर से अडिाक की बोली लगी। आवासीय भूखंडों में गंगानगर में लोगों की सबसे ज्यादा रुचि दिखाई दी।

मेडा की ओर से 12 सितंबर को पल्लवपुरम, गंगानगर, रक्षापुरम, लोहिया नगर, डिफेंस एक्लेव, सैनिक विहार, पांडवनगर, श्रद्धापुरी, वेदव्यासपुरी, स्पोर्ट्स गुड्स कॉम्प्लेक्स और शताब्दीनगर में 134 व्यावसायिक प्लॉट की ई–नीलामी हुई। वहीं, पांडवनगर, पल्लवपुरम, गंगानगर, शताब्दीनगर, डिफेंस एक्लेव और लोहियानगर में 67 आवासीय प्लॉटों पर बोली लगी। ई–नीलामी में दोनों तरह के भूखंडों को लेकर लोगों ने रुचि दिखाई। गंगानगर के एच और आई ब्लॉक में 26 प्लॉट तथा यू और एक्स ब्लॉक में एक–एक प्लॉट पर बोली लगी।

यहां आवासीय प्लॉट का सर्किल रेट 22,500 रुपये प्रति वर्गमीटर है। इन प्लॉटों पर बोली 85 हजार रुपये प्रति वर्गमीटर से ऊपर तक पहुंची। पल्लवपुरम, पांडवनगर समेत अन्य स्थानों के आवासीय भूखंडों में बोली लगाने वालों की उतनी रुचि नहीं दिखाई दी। वहीं, गंगानगर में नर्सिंग होम और कॉम्प्लेक्स के लिए प्लॉट की बोली 1.50 लाख रुपये प्रति वर्गमीटर तक पहुंची।

सौरभ हत्याकांड बचाव पक्ष ने वरमदीद गवाह नहीं होने का दिया हवालाय अभियोजन पक्ष कल देगा जवाब

मेरठ। मेरठ के बहुचर्चित सौरभ हत्याकांड की सुनवाई जिला जज न्यायालय में अंतिम दौर में पहुंच गई है। सोमवार को बचाव पक्ष की वकील ने मुस्कान और साहिल शुक्ला के पक्ष में दलीलें पेश कीं। बचाव पक्ष ने वारदात का कोई चरमदीद गवाह नहीं होने समेत कई बिंदु न्यायालय के सामने रखे। साथ ही सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के पूर्व के आदेशों का भी हवाला दिया गया।जिला शासकीय अधिवक्ता के अनुसार, बचाव पक्ष की वकील ने न्यायालय में दलील दी कि सौरभ की हत्या करते हुए किसी ने नहीं देखा। वारदात का कोई प्रत्यक्षदर्शी गवाह नहीं है। बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि वारदात की रात साहिल शुक्ला को सौरभ और मुस्कान के घर जाते हुए भी किसी ने नहीं देखा। बचाव पक्ष की ओर से इसी आधार पर आरोपियों की संलिप्तता पर सवाल उठाए गए और कहा गया कि केवल परिस्थितियों के आधार पर यह स्पष्ट नहीं होता कि सौरभ की हत्या साहिल और मुस्कान ने ही की है।सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के आदेश रखेबचाव पक्ष की वकील ने अपनी दलीलों के समर्थन में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के पूर्व में दिए गए आदेश भी न्यायालय के समक्ष रखे। इन आदेशों के माध्यम से बचाव पक्ष ने अपने तर्क को मजबूत करने का प्रयास किया।इससे पहले अभियोजन पक्ष की ओर से गवाहों के बयान और बरामदगी को आधार बनाकर आरोपियों के खिलाफ दलीलें पेश की जा चुकी हैं। अभियोजन पक्ष ने न्यायालय से आरोपियों को सख्त सजा देने की मांग की है।

बुधवार को अभियोजन पक्ष देगा जवाब
अब मामले में बुधवार को अभियोजन पक्ष बचाव पक्ष की ओर से रखी गई दलीलों का जवाब देगा। जिला शासकीय अधिवक्ता के मुताबिक, बचाव पक्ष के तर्कों का मजबूती से जवाब न्यायालय के समक्ष रखा जाएगा। इसके बाद मामले में फैसला सुनाए जाने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।
मेरठ में होमगार्ड भर्ती की दौड़ के दौरान बड़ा हादसा, शामली के अमर्याी की मौत

मेरठ। प्रदेश में होमगार्ड के 41,424 पदों पर भर्ती के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) मंगलवार से शुरू हुई। मेरठ के कैलाश प्रकाश स्टेडियम में आयोजित शारीरिक परीक्षा के दौरान दौड़ लगाते समय कई अभ्यर्थियों की तबीयत बिगड़ गई। इनमें शामली निवासी अमर्याी सचिन के मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है, जबकि उसके साथी की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद भर्ती स्थल पर अफरातफरी मच गई। दौड़ के दौरान नौ अभ्यर्थियों की हालत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि कुछ अभ्यर्थी शारीरिक क्षमता बढ़ाने के लिए इंजेक्शन लगाकर दौड़ में शामिल हुए थे। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। भर्ती प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य और पुलिसकर्मियों ने मोर्चा संभाला। सभी बीमार अभ्यर्थियों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया।

एसपी सिटी विनायक भोसले ने बताया कि होमगार्ड भर्ती के नोडल अधिकारी एसपी क्राइम अनिरुध कुमार हैं। भर्ती प्रक्रिया जारी है। अभ्यर्थियों की देखभाल और सुरक्षा के लिए मेडिकल थाना पुलिस को लगाया गया है। साथ ही संबंधित अभ्यर्थियों के स्वजन को भी घटना की जानकारी दे दी गई है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अनवरत जारी हैं स्वास्थ्य सेवाएं

चित्रकूट। जनपद में बाढ़ के दौरान तथा बाढ़ के पश्चात् उत्पन्न होने वाली बिमारियों के रोकथाम, बचाव एवं उपचार के लिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्र ब्लाक पहाड़ी में 6 चौकियां, ब्लाक रामनगर में 3 चौकियां, ब्लाक मऊ में 15 चौकियां, ब्लाक शिवरामपुर में 3 चौकियां तथा मानिकपुर में 3 चौकियां स्थापित एवं कियाशील है। प्रत्येक चौकी में एक मेडिकल टीम जिसमें एक चिकित्सक, एक फार्मासिस्ट, एक वार्ड व्याय एवं सम्बन्धित क्षेत्र की आशा तैनात है। बाढ़ प्रभावित रोगियों के उपचार के लिए आवश्यक बेड्स, सामान्य, आकस्मिक, जीवन रक्षक औषधि यां, एआरवी 7245, ओआरएस 197959 तथा एएसवी 3081, ब्लोचिंग पाउडर 866 किग्रा एवं स्कोरीन की गोतियों 26811 की पर्याप्त मात्रा मे व्यवस्था कर ली

आरसेटी में फास्ट फूड प्रशिक्षण का सीडीओ ने किया शुभारंभ

चित्रकूट। मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल ने आरसेटी का भ्रमण कर स्वरोजगार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम फास्ट फूड प्रिपरेशन का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि केवल प्रशिक्षण लेना पर्याप्त नहीं है। प्रशिक्षण के उपरांत उन्हें अपनी दुकान, स्टॉल पर अवश्य प्रारंभ करना चाहिए। किसी भी व्यवसाय का प्रारंभिक समय चुनौतीपूर्ण होता है। इसके बाद आसान हो जाता है। चूँकि यह खाद्य उद्योग है, इसलिए उन्हें साफ सफाई और भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

बाढ़ पीड़ितों को बांटी राशन सामग्री

चित्रकूट। जिले के शिक्षकों के सहयोग से बाढ़ आपदा राहत के लिए उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा चित्रकूट ब्लाक के मालकाना गांव, मानिकपुर ब्लाक के डोडामाफी, मुटवन, छिवलहा, मनगवां, जारोमाफी और खरौंध मे राशन किट का वितरण किया गया। मानिकपुर एसडीएम विपिन कुमार द्विवेदी व बीईओ मिथिलेश कुमार ने डोडामाफी मे शिक्षकों द्वारा तैयार राशन किट का वितरण किया। एसडीएम ने शिक्षकों की सरहना करते हुए कहा कि सभी सक्षम लोगों को शिक्षकों से प्रेरणा लेनी चाहिए। खण्ड शिक्षाधिकारी मानिकपुर ने कहा कि शिक्षकों ने हमेशा इतिहास बनाया है। संघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश पांडेय ने बताया कि आज भी मानिकपुर और चित्रकूट ब्लाक मे राशन किट का वितरण किया जायेगा।

क्षति का सर्वे पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाये : पूजा गुप्ता

राजापुर (चित्रकूट)। तहसील राजापुर अंतर्गत ग्राम अरछा बरेठी और ब्योहरा में बाढ़ व बारिश से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए उप जिलाधिकारी पूजा गुप्ता ने स्थलीय सर्वे किया। उन्होंने प्रभावित परिवारों के घर पहुंचकर मकान एवं गृहस्थी के सामान को हूई क्षति की जानकारी ली तथा ग्रामीणों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं।एसडीएम ने मौके पर मौजूद राजस्व टीम

क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय की माताजी की तेरहवीं में उमड़ा जनसैलाब, श्रद्धांजलि देने पहुंचे मंत्री और वरिष्ठ नेता

आजमगढ़ (आर एन एस)भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय की माता श्रीमती जमुरता देवी के निधन के बाद सोमवार को आयोजित त्रयोदशी एवं तेरहवीं भोज कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राजनीतिक, सामाजिक और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने पहुंचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रीमती जमुरता देवी का 2 सितंबर 2026 को निधन हो गया था। उनके निधन की खबर से भाजपा कार्यकर्ताओं, शुभचिंतकों और क्षेत्रवासियों में शोक की लहर दौड़ गई थी।माता के निधन के बाद से लेकर तेरहवीं संस्कार तक लगातार जनप्रतिनिधियों,मंत्रियों, पार्टी पदाधिकारियों और शुभचिंतकों का विनोद राय के आवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करने का सिलसिला जारी रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री बुधेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री दारा सिंह चौहान, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह सहित अन्य

एसडीएम लालगंज ने दो गांवों में किया स्थलीय निरीक्षण, राजस्व वादों की मौके पर सुनी

आजमगढ़ (आर एन एस)तहसील में लंबित राजस्व वादों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर उपजिलाधिकारी लालगंज नेहा मिश्रा लगातार सक्रिय हैं। इसी क्रम में सोमवार को एसडीएम ने तहसील क्षेत्र के दो ग्राम पंचायतों में पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया और मौके पर ही दोनों पक्षों की सुनवाई की।बड़ागांव में देवेन्द्र बनाम वीरेन्द्र मामले की जांच पहला स्थलीय निरीक्षण विकास खंड देवगांव के ग्राम पंचायत बड़ागांव में किया गया। यहां उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 की धारा 116 के तहत दर्ज वाद देवेन्द्र बनाम वीरेन्द्र के निस्तारण के संबंध में एसडीएम ने राजस्व निरीक्षक, क्षेत्रीय लेखपाल तथा दोनों पक्षों की मौजूदगी में भूमि का मौका मुआयना किया।एसडीएम ने मौके पर ही राजस्व अभिलेखों, नक्शा व मौके की स्थिति का मिलान किया। दोनों पक्ष से बारी-बारी उनका पक्ष सुना और राजस्व टीम को निर्देश दिया कि नियमानुसार पैमाइश कर स्पष्ट आख्या न्यायालय में प्रस्तुत की जाए ताकि वाद का विधिसम्मत निस्तारण हो सके।वही इसके बाद दूसरा स्थलीय निरीक्षण ग्राम पंचायत भुइकी में किया गया। यहां भी धारा 116 के अंतर्गत दर्ज बंटवारे के एक अन्य मामले के निपटारे के संबंध में मौके पर जाकर जांच की गई। निरीक्षण के दौरान दोनों पक्ष व राजस्व अधिकारी मौजूद रहे। एसडीएम ने मौके की वस्तुस्थिति का जायजा लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।एसडीएम नेहा मिश्रा ने बताया कि धारा 116 के अधिकांश मामलों में मौके की स्थिति देखे बिना सही निर्णय लेना संभव नहीं होता है, इसलिए स्वयं मौके पर जाकर निरीक्षण किया जा रहा है।

गयी है। मन्दाकिनी नदी से आई बाढ़ से कर्वी के रामघाट सहित 19 गांव, राजापुर के 10 गांव व मानिकपुर के 10 गांव कुल 39 ग्रामों में आबाद लगभग 15157 व्यक्ति प्रभावित हुये। इनमे से लक्षणयुक्त रोगियों का स्वास्थ्य विभाग द्वारा जनपद, ब्लाक स्तरीय रैपिड रिस्रांस टीम एवं मोबाइल मेडिकल यूनिट भेजकर इलाज किया गया। बाढ़ प्रभावित समस्त ग्रामों में एण्टी लार्वा का छिड़काव का कार्य कराया जा रहा है। सीएचसी पहाडी के अन्तर्गत बाढ़ प्रभावित क्षेत्र ग्राम अर्की, सरधुवा, चौरा, बरेठी, कलवारा, चनहट, हरदोली, दरसेड़ा, ममसी बुजुर्ग, लोहदा, औदहा, व्योहरा, बघवारा, देहरूछ, गढ़वारा, भुजौ ली, नकेहली, गौहाना, उड्डिया, सीएचसी मऊ के अन्तर्गत मर्वईकला, मनकुवार, प्राथमिक

विद्यालय मऊ, सिकरो, प्राथमिक विद्यालय बियावल जनपद स्तरीय टीम द्वारा सीएचसी शिवरामपुर के अन्तर्गत गढीघाट, मलकाना, डिलौरा, पडरी, गोबरिया बहादुरपुर, तेरियापुर, रामघाट, रैनबसेरा, तरौहा, टाउनहाल में लक्षणयुक्त रोगियों का उपचार किया गया। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हंस फाउंडेशन द्वारा संचालित 10 एम्बुलेंस, 3 मेडिकल मोबाइल युनिट, जनपद तथा ब्लाक स्तरीय रैपिड रिस्रांस टीमों द्वारा अब तक दस्त के 659 रोगियों, पेचिस के 96 रोगियों, बुखार के 3529 रोगियों, चर्म रोग 2408 रोगियों तथा 2019 अन्य रोगियों समेत कुल 9298 रोगियों का उपचार किया गया। बाढ़ के दौरान पिछले 10 दिनों में टीकाकरण के 341 सत्र आयोजित किये गये। सभी सीएचसी में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस का आयोजन किया गया।

दुष्कर्म के दोषी को दस वर्ष का कारावास

चित्रकूट। दुष्कर्म के मामले में दोषी होने पर न्यायालय ने अभियुक्त को 10 वर्ष का सश्रम कारावास व 30 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।अपर शासकीय अधिवक्ता सुशील कुमार सिंह ने बताया कि 30 अगस्त 2022 को वादिया ने थाना मऊ में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वादिया के अनुसार उसकी नाबालिग पुत्री को बहला फुसला कर आरोपी भगा ले गया। पुलिस ने पीड़िता की बरामदगी व बयान के आधार पर मुकदमा में धारा 376 भादवि की बढोत्तरी की थी। 15 सितम्बर को आरोपी को गिरतार कर न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया था। सत्र परीक्षण के दौरान बचाव एवं अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद मामले में दोष सिद्ध होने पर अपर सत्र न्यायाधीश फॉस्ट ट्रैक कोर्ट अनुराग कुरील ने अभियुक्त इन्द्रेक्ष कुमार उर्फ शेरु पुत्र सक्का को 10 वर्ष का सश्रम कारावास व 30 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दंडित किया है।

कोर्ट ने दुष्कर्मी को किया दंडित

चित्रकूट। न्यायालय ने दुष्कर्म के आरोपी को 10 वर्ष का सश्रम कारावास व 20 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। अपर शासकीय अधिवक्ता सुशील कुमार सिंह ने बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश फॉस्ट ट्रैक कोर्ट अनुराग कुरील ने दुष्कर्म के मामले में फैसला सुनाया। जिसमें अभियुक्त विनय सिंह पुत्र अर्जन सिंह को 10 वर्ष का सश्रम कारावास व 20 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दंडित किया है।

फसल में लपेटक कीट एवं पीलापन नियंत्रण के बताए उपाय

चित्रकूट। कृषि विज्ञान केन्द्र गनीवा के वैज्ञानिकों को किसानों से प्राप्त सूचनाओं एवं प्रक्षेत्र भ्रमण के दौरान धान की फसल में पत्ता लपेटक कीट एवं पीलापन की समस्या का प्रदर्शन किया गया। इस संबंध में वैज्ञानिक उत्तम कुमार त्रिपाठी’ ने बताया कि पत्ता लपेटक कीट के कारण पत्ती लंबाई में लिपटी हुई दिखाई देती है। पत्ती पर सफेद रंग की लंबी धारियां बन जाती हैं। लिपटी पत्ती के अंदर हरे रंग का छोटा कीट पाया जाता है। गंभीर अवस्था में पूरा खेत सफेद दिखाई देता है। पीलापन के लक्षण में नई पत्तियां पीली पड़ जाती हैं। पौधे की बढ़वार रुक जाती है। यह मुख्यतः जस्ता (जिंक) की कमी से होता है। बताया कि ऐसी दशा में खेत में 3–4 सेमी पानी बनाए रखें। कीट नियंत्रण के लिए कार्टाप हाइड्रोक्लोराइड 50 एसपी 400 ग्रामध्कइ या कोराजन 60 मिलीध्कइ’ का 150 ली. पानी में शाम को छिड़काव करें। पीलापन के लिए जिंक सल्फेट 21 प्रतिशत 10 किग्रा प्रति एकड़ पर प्रयोग करें।

बाढ़ पीड़ितों ने लेखपाल व पूर्व प्रधान पर लगाया वसूली का आरोप

चित्रकूट।' तहसील कर्वी के मौजा मकरी पहरा में अतिवर्षा और बाढ़ से मकान गिरने से प्रभावित गरीब परिवारों ने मौजा लेखपाल और पुर्व ग्राम प्रधान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ितों केश वर्मा पुत्र दुर्गा, कोटू,पुत्र मलका, राजेन्द्र निषाद पुत्र देवराज, राजेश, ओमप्रकाश पुत्रगण कोटू, तुलिया पत्नी चुनकू, फूलचन्द्र पुत्र चुनकू, हीरामनी पत्नी ललित, गरीबदास

लाम दिला दिया। जबकि पैसा न देने वाले वास्तविक पीड़ितों को अपात्र घोषित कर धमकाया जा रहा है। पूर्व प्रधान द्वारा कहा जा रहा है कि नेतागिरी करोगे तो देख लेंगे। पीड़ितों ने जिलाधिकारी से सही निरीक्षण कराकर पात्रों को लेखपाल ने पूर्व प्रधान के कहने पर गांव वालों से 12 हजार रुपये तक की वसूली कर चहेतों के पक्ष की मांग की है।

में फर्जी आख्या लगाकर सरकारी

नपा अध्यक्ष से की घरों में नाली का पानी भरने की शिकायत

चित्रकूट। नगर पालिका परिषद के वार्ड नंबर 21 शास्त्री नगर के कई निवासी सोमवार को नगर पालिका कार्यालय पहुंचे। बताया कि गंदे पानी से भरी नालियों का पानी उनके घर में घुस रहा है। गंदगी से पटी सड़कों व मोहल्ले से वार्डवासी परेशान हैं। समस्या का समाधान कराने की मांग की है। वार्ड निवासी दिनेश कुमार, अजय, बउआ, कैलाश, प्रदुम, ललित आदि ने पालिका कार्यालय में अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता को ज्ञापन सौंपा। आरोप लगाया कि वार्ड में समय से सफाई नहीं हो रही है। नालियों में भरा गंदा व बदबूदार पानी से सभी परेशान हैं। समस्या का समाधान कराने की मांग की। इस दौरान पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने सफाई नायक को बुलाकर दो दिन के अंदर वार्ड में सफाई कराने के निर्देश दिए।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए मील का पत्थर साबित होगा बाढ़ बचाव नियंत्रण केन्द्र

आजमगढ़ (आर एन एस)जनपद आजमगढ़ में बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों को और अधिक प्रभावी, त्वरित एवं सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंशानुरूप जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार के अथक प्रयासों एवं विशेष पहल से तहसील सगड़ी अन्तर्गत ग्राम कुकरोछी में लगभग 180 लाख रू0 की लागत से बाढ़ बचाव नियंत्रण केन्द्र के निर्माण कार्य का शिलान्यास मा0 प्रभारी मंत्री अनिल राजभर द्वारा किया गया।प्रभारी मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि योगी सरकार के कार्यकाल में सबसे बड़ा बदलाव यही है कि आपदा प्रबंधन को केवल मुआवजा देने की व्यवस्था से निकालकर एक सम्पूर्ण रिस्रांस सिस्टम के रूप में विकसित करने का प्रयास हुआ है। उत्तर प्रदेश में आपदा प्रबंधन में बड़ा बदलाव हुआ है, अब एसडीआरएफ से हाईटेक बाढ़ कमांड सेंटर तक तंत्र मजबूत हुआ है। योगी सरकार ने आपदा प्रबंधन को महज राहत वितरण तक सीमित रखने के बवाय, इसे त्वरित बचाव, बेहतर समन्वय, आधुनिक तकनीक, मानकीकृत राहत सामग्री आदि पर जोर दिया।जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार द्वारा जनपद के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों को और अधिक सुदृढ़ करने तथा राहत एवं बचाव दलों को आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता को प्राथमिकता देते हुए इस केन्द्र के निर्माण की पहल की गई है। जिलाधिकारी द्वारा क्रिटिकल गैप के पैसे से बाढ़ बचाव व राहत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कार्य किया गया है। प्रस्तापित केन्द्र आपदा प्रबंधन की दृष्टि से जनपद के लिए एक महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना के रूप में विकसित होगा।

महिला से छेड़छाड़ और मारपीट का आरोप, जान से मारने की धमकी की शिकायत

आजमगढ़ (आर एन एस)पर्वई थाना क्षेत्र के खपरियाचक ओरिल गांव में एक महिला ने तीन लोगों पर घर में घुसकर छेड़छाड़, मारपीट और कपड़े फाड़कर लज्जा भंग करने का आरोप लगाया है। महिला ने आरोपियों पर घटना के बाद उसे और उसके पति को जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है।पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, घटना 12 सितंबर 2026 को दोपहर करीब 12 बजे की बताई गई है। गांव की निवासी उषा देवी ने आरोप लगाया कि पन्नेलाल के उकसाने पर दयाराम और विशाल उसके घर में घुस आए और उसके साथ अश्लील हरकत व छेड़छाड़ करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने कथित तौर पर गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की और कपड़े फाड़ दिए।महिला के मुताबिक, शोर सुनकर उसकी जेठानी की पुत्रवधू ज्योति और उसका नाबालिग पुत्र सत्यम मौके पर पहुंचे तथा बीच-बचाव किया। आरोप है कि जाते समय आरोपियों ने कानूनी कार्रवाई करने पर महिला और उसके पति को जान से खत्म करने की धमकी दी।तहरीर में महिला ने बताया कि घटना के बाद उसने तत्काल डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और बाद में उसे थाने जाकर लिखित शिकायत देने के लिए कहा गया। महिला का आरोप है कि थाने से घर लौटते समय नोनरा के टापू के पास उक्त लोग लाठी-डंडा, कुल्हाड़ी और लोहे का पंच लेकर घात लगाकर बैठे थे। पुलिस को दोबारा सूचना दिए जाने के बाद आरोपी मौके से भाग गए।महिला ने पुलिस से अपनी और अपने पति की जान-माल की सुरक्षा की मांग करते हुए आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई तथा चोटों का चिकित्सकीय परीक्षण कराने की मांग की है।तहरीर के आधार पर थाना पर्वई में अभियोग पंजीकृत किए जाने का उल्लेख है।

किताबी ज्ञान से परे बच्चों को समृद्ध परंपराओं से स्वरु कराने का उाया बीड़ा

आजमगढ़ (आर एन एस)आधुनिकता की अंधी दौड़ और अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा के बढ़ते प्रभाव के बीच, बच्चों को उनकी सनातन संस्कृति से जोड़े रखने का कंधापुर स्थित सेंट एम. आर. जयपुरिया स्कूल ने एक बीड़ा उठाया है। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर विद्यालय प्रशासन द्वारा छात्रों को नगर के लालडीगी स्थित प्रसिद्ध बड़ा गणेश मंदिर में दर्शन-पूजन कराया गया। मंदिर परिसर में विद्यार्थियों ने पूरे विधि-विधान के साथ गणपति बप्पा को मोदक और लड्डुओं का भोग लगाया, दीप प्रज्वलित किए और आरती उतारी। सनातन परंपरा का आनंद लेते हुए बच्चों ने मूषक राज के प्रति और अपनी मनोकामनाएं भी मांगीं, जिसको लेकर उनमें भारी उत्साह और उत्सुकता देखने को मिली। संस्कृति और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए मैनेजिंग डायरेक्टर रित्विक जायसवाल ने मंदिर के महंत राजेश मिश्रा को अंगवस्त्रम तथा पैथा भेंट कर सम्मानित किया।

श्री सदगुरु नेत्र चिकित्सालय में एनएबीएच कार्यशाला का हुआ आयोजन

चित्रकूट। श्री सदगुरु नेत्र चिकित्सालय में एनएबीएच की दो दिवसीय कार्यशाला हुई। जिसमें नेत्र चिकित्सालय की गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं, मरीजों की सुरक्षा और मरीज केंद्रित आई केयर प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए द्वितीय स्टैंडर्ड पर आधारित नियमों से सम्बंधित जानकारी एनएबीएच के फैकल्टी डॉ नवीन नीरज एवं डॉ गगन डुडेजा द्वारा प्रदान की गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ गुरुदेव पूजन और स्व. पदमश्री डॉ बीके जैन को नमन करते हुए किया गया। सदगुरु नेत्र चिकित्सालय के रेटीना प्रमुख वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ अलोक सेन ने प्रशिक्षकों का स्वागत किया। उन्होंने नेत्र चिकित्सालयों में सभी नए मानकों का प्रभावी रूप से पालन करने की बात कही। कार्यक्रम में श्री सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट द्वारा संचालित 'सदगुरु संकल्प आई हॉस्पिटल, आनंदपुर, शहीद भगत सिंह आई हॉस्पिटल बरेली, (आगामी) सदगुरु नेत्र चिकित्सालय, काशी और सदगुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट' के डॉक्टर और हॉस्पिटल की टीमों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को एनएबीएच के दूसरे एडिशन के स्टैंडर्ड्स वाली हैंडबुक भी प्रदान की गई। ताकि वे अपने संस्थानों में इन्हें प्रभावी ढंग से लागू कर सकें। कार्यशाला में प्रशिक्षकों ने सदगुरु नेत्र चिकित्सालय के निदेशक एवं ट्रस्टी डॉ इलेश जैन के प्रति आभार जताया।

अशोह गांव के पास खाली प्लाट में ब्लास्ट, पैर के मिले अवशेष

चित्रकूट। पहाड़ी थाना क्षेत्र में राजापुर–कर्वी मार्ग पर अशोह गांव के पास भाजपा नेता जगदीश गौतम के खाली प्लाट में शनिवार शाम करीब छह बजे विस्फोट हुआ। धमाका इतना तेज था कि तीन किमी दूर तक आवाज सुनी गई। प्लाट में तीन फीट गहरा गड्ढा हो गया। दीवार क्षतिग्रस्त हो गई और पेड़ों के पत्ते गिर गए। देखरेख करने वाले चरवाहे ने बताया, पहले लगा बिजली गिरी है। रविवार शाम गेट खोलने पर अंदर जला हुआ पैर व गड्ढा दिखा, दूसरा पैर करीब तीन सौ मीटर दूर खेत में मिला। शेर शरीर का पता नहीं चला। मौके पर मशीन के टुकड़े, जले कपड़े व सदिध सामग्री मिली। सूचना पर सोमवार को एसपी अरुण कुमार सिंह, सीओ फहद अली, थानाध्यक्ष निशिकांत राय, एसओजी प्रभारी एमपी त्रिपाठी व फोरेंसिक टीम ने जांच की। एसपी ने बताया विस्फोटक सामग्री के प्रयोग के दौरान ब्लास्ट हुआ है। मामला गंभीर होने पर बांदा व लखनऊ से बम निरोधक दस्ता, फोरेंसिक व एनआईए टीम बुलाई गई है। आसपास गांवों में किसी के लापता होने की सूचना नहीं है।

मृतका का हुआ पोस्टमार्टम, आपस में भिड़े ससुराल-मायका पक्ष

चित्रकूट। सदर कोतवाली के नई दुनिया मोहल्ला निवासी रोमा कोटार्य की 12 सितंबर को मौत के दो दिन बाद सोमवार को पोस्टमार्टम हुआ। पिता ने ससुराल पर प्रताड़ित कर हत्या का आरोप लगाया। जिससे विवाद की स्थिति बन गई। प्रभारी कोतवाल रामदिनेश तिवारी फोर्स के साथ पहुंचे और दोनों पक्षों को समझाया। पति विनोद ने बताया रोमा ने सुबह चाय बनाई, बेटे को दूध पिलाया, फिर जहरीला पदार्थ खाकर फंदा लगा लिया। इलाज के दौरान मौत हुई। माता-पिता के सूरत में होने से उसी दिन पोस्टमार्टम नहीं हो सका था। डा. नरेंद्र मौर्य व डा. अनूप के पैनल ने वीडियोग्राफी में पोस्टमार्टम किया। रिपोर्ट में जहरीला पदार्थ की पुष्टि हुई। बिसरा जांच को भेजा गया। तहरीर नहीं मिली है।

सर्पदंश से महिला की मौत, एसडीएम के समझाने पर पोस्टमार्टम को माने परिजन

चित्रकूट। बरगढ़ थाना क्षेत्र के किटहाई पुरवा में सोमवार सुबह सर्पदंश से महिला की मौत हो गई। खोहर गांव के किटहाई पुरवा निवासी त्रिवेणी प्रसाद पाल ने बताया सुबह सात बजे पत्नी मनी देवी (50) मवेशी बाड़े में चूल्हा जलाने के लिए उपले निकालने गई थी। उपला उठाते ही सर्प ने डस लिया। चिल्लाने पर परिजन पहुंचे और शंकरगढ़ के निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। ग्राम प्रधान रामनरेश पाल ने बताया कि परिजन पहले पोस्टमार्टम को तैयार नहीं थे। एसडीएम मऊ ने फोन पर समझाया तो वह तैयार हुए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया है।

पुलिस पेंशनर्स की एससी ने सुनी समस्याएं, लिए गए सुझाव

चित्रकूट। अपर एसपी पीयूषकान्त राय की अध्यक्षता में पुलिस कार्यालय स्थित राघव प्रेक्षागार में पुलिस पेंशनर्स की बैठक हुई।

बैठक के दौरान एससी ने पुलिस पेंशनर्स से संवाद स्थापित करते हुए उनकी समस्याओं, सुझावों एवं अपेक्षाओं पर चर्चा की। उन्होंने पेंशनर्स के अनुभव एवं ज्ञान की सराहना करते हुए समाज में कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा पुलिस विभाग को आवश्यक सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया। इस अवसर पर पुलिस पेंशनर्स को विभिन्न स्वास्थ्य बीमा योजनाओं, कानूनी सहायता एवं शिकायत निवारण तंत्र से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। बैठक में उपस्थित पेंशनर्स को अपनी समस्याएं, सुझाव एवं अनुभव साझा करने का अवसर दिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार शीघ्र निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक के माध्यम से पुलिस पेंशनर्स एवं पुलिस विभाग के मध्य आपसी संवाद, समन्वय एवं सहयोग को और अधिक सुदृढ़ बनाने का प्रयास किया गया। ताकि पेंशनर्स की समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के साथ उनके अनुभवों एवं सुझावों का लाभ पुलिस विभाग एवं समाज को प्राप्त हो सके। साथ ही बढ़ते साइबर अपराध से सावध ान रहने के लिए बताया गया।

पीआरवी की त्वरित कार्रवाई से बची युवक की जान

चित्रकूट। कोतवाली कर्वी के ग्राम तरौहा क्षेत्रांतर्गत कॉलर ओमप्रकाश ने यूपी 112 पर सूचना दी कि उनके भाई द्वारा फांसी लगाने का प्रयास किया जा रहा है तथा कमरे का दरवाजा अंदर से बंद है। सूचना प्राप्त होते ही पीआरवी 7211 पर तैनात पुलिसकर्मী तत्काल घटना स्थल के लिए रवाना हुए तथा मात्र छह मिनट में मौके पर पहुंचकर कमरे का दरवाजा तोड़कर व्यक्ति को बाहर निकाला।

ग्रामीदय विश्वविद्यालय में गणेशोत्सव का शुभारंभ

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कला संकाय अंतर्गत शिक्षा पाठ्यक्रम परिसर में गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा गणेशोत्सव का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विधिवत पूजन अर्चन के साथ भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। मूर्ति स्थापना कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित रहे।

